



श्री काशी विश्वनाथ पञ्चाङ्ग २०२३ Shree Kashi Vishwanath Panchang 2023

विक्रम संवत् २०७९-२०८०

Vikaram Samvat 2079-2080

शक संवत् १९४५

Shak Samvat 1945



विश्व शक्ति दुर्गा मन्दिर

VISHVA SHAKTI DURGA MANDIR ASSOCIATION
55 CLAREY AVE., OTTAWA ON K1S 2R6 CANADA (Ph. 613-321-0675)

पंडित रविन्द्र नारायण पाण्डेय

Pundit Ravindra Narayan Pandey

Ph. 613-228-1305 Cell. 613-216-7575

ॐ भू भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं । भर्गो देवस्य धीमहि, धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

सत् चित् आनन्दस्वरूप सृष्टिकर्ता प्रकाशमान परमात्मा के उस प्रसिद्ध वरणीय तेज का (हम) ध्यान करते हैं, जो परमात्मा हमारी बुद्धि को (सत् की ओर) प्रेरित करे।

॥ पूजा निम्न विधि से करें ॥

- ॐ अमुक देवम् / देवीम् आह्वयामि । Om Amuk Devam / Devim
Avahayami (offer a flower or rice akshat)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् स्थापयामि । Om Amuk Devam / Devim
sthapayami (offer a flower or rice akshat)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् पाद्यं समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim
Padyam samarpayami (offer a spoonful of water at the feet of God / Goddess)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् अर्घ्यं समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim
Arghyam samarpayami (offer a spoonful of water)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् आचमनीयम् समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim
Achamaniyam samarpayami (offer a spoonful of water)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् पञ्चामृतम् समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim
Panchamrutam samarpayami (offer a spoonful of panchamrutam)
- ॐ अमुक देवीम् / देवम् स्नानीयम् जलं समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim
Snaniyam Jalam samarpayami (offer a spoonful of water)
- ॐ अमुक देवम् / अमुक देवम् वस्त्रोपवस्त्रम् समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim
Vastropavastram samarpayami (offer a dress or muli)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् गन्धं समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim
Gandham samarpayami (offer a paste of Sandal or Roli)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् अक्षतान् समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim
Akshatan Samarpayami (offer kumkum and rice)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् पुष्पं समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim
Pushpam Samarpayami (offer flower / garland)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् धूपं आघ्रापयामि । Om Amuk Devam / Devim
Dhoopam aghrapayami (light up the incense)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् दीपं दर्शयामि । Om Amuk Devam / Devim
Deepam darshayami (light up the ghee and oil lamp)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् नैवेद्यं निवेदयामि । Om Amuk Devam / Devim
Naivedyam Nivedayami (offer sweet and prasad)
- ॐ अमुक देवीम् / देवम् तामबूलंफलानि च समर्पयामि ।
Om Amuk Devam / Devim Tambulam phalani cha samarpayami
(offer beetal nut, Paan leaf and fruit)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् नमस्कारान् समर्पयामि ।
Om Amuk Devam / Devim Namaskaran samarpayami
(offer namaskar with joined palms)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् प्रदक्षिणा करोमि । Om Amuk Devam / Devim Pradakshina karomi
(while standing, move round clock-wise at the same spot thrice, with joined palms)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् प्रार्थना मन्त्रपुष्पाञ्जलिं समर्पयामि ।
Om Amuk Devam / Devim Prarthana mantrapuspanjalim samarpayami
(while standing take some flowers in both hands together and offer the flowers)
- त्वमेव माता च पिता त्वमेव, त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव । त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव, त्वमेव सर्वं मम देव देव ॥
Twameva Mata Cha Pita Twameva, Twameva Bandhush Cha Sakha Twameva |
Twameva Vidya Dravinam Twameva, Twameva Sarvam Mam Deva Deva ||

Acharya Ravindra Narayan Pandey



FASTS & FESTIVALS 2023



प्रमुख पर्व और त्योहार सन् २०२३ ई०

JANUARY 2023

Paush-Maagh

पौष - माघ

DAY DATE

Samvat 2079

संवत् २०७९

New Year's Day 2023

ईसवी सन् २०२३ प्रारम्भ

Sun. 01

रवि. ०१

Putrada Ekadashi Vrat

पुत्रदा एकादशी व्रत (पौष)

Mon. 02

सोम. ०२

Kuram Dwadashi

कूर्म द्वादशी

Tue. 03

मंग. ०३

Pradosh Vrat

प्रदोष व्रत

Wed. 04

बुध. ०४

Poornima Vrat

पूर्णिमा व्रत

Thu. 05

गुरु. ०५

Poornima Vrat (Satyanarayan)

पूर्णिमा व्रत (सत्यनारायण) (पौष)

Fri. 06

शुक्र. ०६

Pryag Maagh Snan(Bath)Begins

प्रयाग माघ स्नान प्रारम्भ

Fri. 06

शुक्र. ०६

Sankashti Ganesh ChaturthiVrat

संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत (श्रीगणेश जन्म)

Tue. 10

मंग. १०

Lohri Parv

लोहड़ी पर्व

Fri. 13

शुक्र. १३

Kalaashtami Vrat(Bhairv Puja)

Sat. 14

कालाअष्टमी व्रत	शनि.	१४
Swami Vivekanandanad Jayanti	Sat.	14
स्वामी विवेकानन्द जयन्ती	शनि.	१४
MakarSankranti(Maagh) (Pongal)	Sat.	14
मकरसंक्रान्ति (माघ)खिचड़ी-तिल दान (पोंगल पर्व)	शनि.	१४
Kharmas Ends	Sat.	14
खरमास समाप्त	शनि.	१४
Surya Uttarayan (Day of gods night of demons)	Sat.	14
सूर्य उत्तरायण(देवताओं का दिन दैत्यों की रात्रि)	शनि.	१४
Shattila Ekadashi Vrat	Tue.	17
षटतिला एकादशी व्रत(माघ कृष्ण एकादशी)	मंग.	१७
Pradosh Vrat	Thu.	19
प्रदोष व्रत	गुरु.	१९
MasShivaratri 13 Vrat (Maagh)	Fri.	20
मासशिवरात्रि व्रत (माघ)	शुक्र.	२०
Mauni Amavasya (Maagh)	Sat.	21
मौनी अमावस्या(माघ कृष्ण) (स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	शनि.	२१
Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat	Tue.	24
वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत	मंग.	२४
Vasant Panchmi (Saraswati Pooja)	Wed.	25
वसन्त पंचमी (सरस्वती पूजा) (माघ शुक्ल)	बुध.	२५
Bharteeya Gantantra Divas	Thu.	26
भारतीय गणतंत्र दिवस (७४वां)	गुरु.	२६
Shri Skand Shashthi (Kumar)	Thu.	26
श्री स्कन्द षष्ठी (कुमार)	गुरु.	२६

Rath Saptami रथ सप्तमी	Fri. 27 शुक्र. २७
Narmada Jayanti नर्मदा जयन्ती	Fri. 27 शुक्र. २७
MasikDurgaAshtami Vrat मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	Sat. 28 शनि. २८
Bheeshm Ashtami भीष्म अष्टमी (भीष्म पितामह श्राद्ध, तर्पण)	Sat. 28 शनि. २८
Jaya Ekadashi Vrat जया एकादशी व्रत	Tue. 31 मंग. ३१
<u>FEBRUARY</u> 2023	DAY DATE
Maagh- Falgun	Samvat 2079
माघ - फाल्गुन	संवत् २०७९
Pradosh Vrat प्रदोष व्रत	Thu. 02 गुरु. ०२
Poornima Vrat पूर्णिमा व्रत	Sat. 04 शनि. ०४
Poornima (Satyanarayan) Vrat पूर्णिमा (सत्यनारायण) व्रत (माघी पूर्णिमा)	Sun. 05 रवि. ०५
Maagh Snan (Bath) Ends माघ स्नान समाप्त	Sun. 05 रवि. ०५
Guru Ravidas Jayanti गुरु रविदास जयन्ती	Sun. 05 रवि. ०५
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत	Thu. 09 गुरु. ०९

Sankranti (Falgun)(Kumbh) संक्रान्ति (फाल्गुन)(कुम्भ)	Sun. रवि.	12 १२
Bhanu Saptami भानु सप्तमी	Sun. रवि.	12 १२
Kalaashtami Vrat(Bhairv Puja) कालाअष्टमी व्रत	Mon. सोम.	13 १३
Sitaashtami Vrat सीताअष्टमी व्रत (जानकी जयन्ती)	Mon. सोम.	13 १३
Swami Dayanand Jayanti स्वामी दयानन्द सरस्वती जयन्ती	Wed. बुध.	15 १५
Vijaya Ekadashi Vrat विजया एकादशी व्रत	Thu. गुरु.	16 १६
Pradosh Vrat प्रदोष व्रत	Fri. शुक्र.	17 १७
MahaShivaratri Vrat महाशिवरात्रि व्रत	Sat. शनि.	18 १८
Amavasya (Falgun) अमावस्या (फाल्गुन कृष्ण)(स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	Sun. रवि.	19 १९
Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत	Thu. गुरु.	23 २३
Shri Skand Shashthi (Kumar) श्री स्कन्द षष्ठी (कुमार)	Fri. शुक्र.	24 २४
Bhanu Saptami भानु सप्तमी	Sun. रवि.	26 २६
Masik Durga Ashtami Vrat	Mon.	27

मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	सोम.	२७
Holashtak Begins	Mon.	27
होलाष्टक प्रारम्भ	सोम.	२७

MARCH 2023

DAY DATE

Falgun-Chaitra

Samvat 2079-2080

फाल्गुन -चैत्र

संवत् २०७९-२०८०

Aamlaki (Rangbhari) Ekadashi Vrat Thu. 02

आमलकी (रंगभरी) एकादशी व्रत गुरु. ०२

ShaniPradosh Vrat Sat. 04

शनि प्रदोष व्रत शनि. ०४

Govind Dwadashi Sat. 04

गोविन्द द्वादशी शनि. ०४

Holika Dahan (Poornima Vrat) Mon. 06

होलिका दहन(वसन्त पूर्णिमा व्रत)(सत्यनारायण कथा)सोम. ०६

Poornima Vrat Tue. 07

पूर्णिमा व्रत मंग. ०७

Holi Tue. 07

होली मंग. ०७

Holashtak Ends (Holi) Tue. 07

होलाष्टक समाप्त (होली) मंग. ०७

Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat Fri. 10

संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत (भालचन्द्र) शुक्र. १०

Rang Panchami Sun. 12

रंग पञ्चमी रवि. १२

Shri Sheetala Saptami Vrat Mon. 13

श्री शीतला सप्तमी व्रत (बनारस महानिशा पूजा)	सोम.	१३
Sankranti (Chaitra)(Meen)	Tue.	14
संक्रान्ति (चैत्र)(मीन)(कुम्भ)	मंग.	१४
Shri Sheetala Ashtami Vrat	Tue.	14
श्री शीतला अष्टमी व्रत (बसिअउरा)	मंग.	१४
Kalaashtami Vrat(Bhairv Puja)	Tue.	14
कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)	मंग.	१४
Papmochani Ekadashi Vrat	Fri.	17
पापमोचनी एकादशी व्रत (चैत्र कृष्ण)	शुक्र.	१७
Pradosh Vrat	Sun.	19
प्रदोष व्रत	रवि.	१९
MasShivaratri 13 Vrat (Chaitra)	Sun.	19
मासशिवरात्रि व्रत (चैत्र)	रवि.	१९
Tryodashi Vrat (Varuni Parv)	Mon.	20
त्रयोदशी व्रत (वारुणी पर्व)	सोम.	२०
Amavasya	Mon.	20
अमावस्या (स्नान-दान-श्राध्द कर्म)	सोम.	२०
Bhumavati Amavasya	Tue.	21
भौमवती अमावस्या (स्नान-दान-श्राध्द कर्म)	मंग.	२१
Vridhangkarak Parv	Tue.	21
वृद्धाङ्कारक पर्व (बुढ़वामंगल)	मंग.	२१
Chandr Samvatsar 2079 Ends	Tue.	21
विक्रम (चन्द्र) संवत्सर २०७९ समाप्त	मंग.	२१
Vikram Samvatsar 2080 Begins	Wed.	22
विक्रम संवत्सर २०८० नववर्ष प्रारम्भ	बुध.	२२

Vasant Navratri Begins वसन्त नवरात्रि प्रारम्भ	Wed. 22 बुध. २२
Sindhi New Year's Day सिन्धी नववर्ष दिवस (झूलेलाल जयन्ती)	Wed. 22 बुध. २२
Gudi Padwa,Ugadi गुडी पडवा, युगादी	Wed. 22 बुध. २२
Matsya Jayanti मत्स्य जयन्ती	Thu. 23 गुरु. २३
Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत	Fri. 24 शुक्र. २४
Gauri Pooja, Gangaur गौरी पूजा, गणगौर	Fri. 24 शुक्र. २४
Lakshmi Panchami <small>(Lakshmi Ji welcome home)</small> लक्ष्मी पञ्चमी (लक्ष्मी जी का घर में स्वागत)	Sat. 25 शनि. २५
Shri Skand Shashthi (Kumar) श्री स्कन्द षष्ठी (कुमार)	Sun. 26 रवि. २६
Yamuna Jayanti यमुना जयन्ती	Mon. 27 सोम. २७
Tara Jayanti तारा जयन्ती	Wed. 29 बुध. २९
Shri Durga Ashtami Vrat श्री दुर्गा अष्टमी व्रत (कन्यापूजन)	Wed. 29 बुध. २९
Shri Ramnavami Vrat श्री रामनवमी (श्री राम जन्म)	Thu. 30 गुरु. ३०
Navratri Vrat Parna	Fri. 31

नवरात्रि व्रत पारण

शुक्र. ३१

APRIL 2023

Day Date

Chaitra - Vaishakh

Samvat 2080

चैत्र - वैशाख

संवत् २०८०

Kamda Ekadashi Vrat

Sat. 01

कामदा एकादशी व्रत (चैत्र शुक्ल पक्ष)

शनि. ०१

Vaman Dwadashi

Sun. 02

वामन द्वादशी

रवि. ०२

SomPradosh Vrat

Mon. 03

सोमप्रदोष व्रत

सोम. ०३

Shri Mahaveer Jayanti (Jain)

Mon. 03

श्री महावीर जयन्ती (जैन)

सोम. ०३

Poornima Vrat (Satyanarayan)

Wed. 05

पूर्णिमा(सत्यनारायण) व्रत

बुध. ०५

Hanuman Jayanti(South India)

Wed. 05

हनुमान जयन्ती (दक्षिण भारत)

बुध. ०५

Vaishakh Snan (Bath) Begins

Wed. 05

वैशाख स्नान प्रारम्भ

बुध. ०५

Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat

Sun. 09

संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत

रवि. ०९

Kalaashtami Vrat(Bhairv Puja)

Wed. 12

कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)

बुध. १२

Shri Sheetala Ashtami Vrat

Thu. 13

श्री शीतला अष्टमी व्रत

गुरु. १३

Sankranti(Vaishakh)(Fan,Water,SattuDaan)

Fri. 14

संक्रान्ति (मेष)(वैशाख) (सत्तु-पंखा-जलकलश दान)	शुक्र.	१४
Vaishakhi Parv	Fri.	14
वैशाखी पर्व (वैशाखी मेला)	शुक्र.	१४
Varuthini Ekadashi Vrat	Sun.	16
वरुथिनी एकादशी व्रत (वैशाख)	रवि.	१६
Baba Balak Nath ji ka Chala	Sun.	16
बाबा बालक नाथ जी का चाला	रवि.	१६
SomPradosh Vrat	Mon.	17
सोमप्रदोष व्रत	सोम.	१७
MasShivaratri 13 Vrat (Vaishakh)	Tue.	18
मासशिवरात्रि व्रत (वैशाख)	मंग.	१८
Amavasya	Wed.	19
अमावस्या (स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	बुध.	१९
Partial Solar Eclipse	Wed.	19
खण्ड सूर्य ग्रहण(यह सूर्य ग्रहण आटवा में नहीं दिखेगा)	बुध.	१९
<u>This Solar Eclipse will not be visible in Ottawa</u>		
Parshuram Jayanti	Sat.	22
परशुराम जयन्ती	शनि.	२२
Akshya Trutiya (Donste sattu,sugar,water,urn)	Sat.	22
अक्षय तृतीया (सत्तू,चीनी,पानी,कलश दान)	शनि.	२२
Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat	Sun.	23
वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत	रवि.	२३
Surdas Jayanti	Mon.	24
सूरदास जयन्ती	सोम.	२४
Aady Guru Shankaracharya Jayanti	Mon.	24

आद्य गुरु शंकराचार्य जयन्ती	सोम.	२४
Shri Skand Shashthi (Kumar)	Tue.	25
श्री स्कन्द षष्ठी (कुमार)	मंग.	२५
Shri Ganga Jayanti (Gangapoojan)	Wed.	26
श्री गंगा जयन्ती (गंगा पूजन)	बुध.	२६
MasikDurgaAshtami Vrat	Thu.	27
मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	गुरु.	२७
Shri Bagulamukhi Jayanti	Thu.	27
श्री बगुलामुखी जयन्ती	गुरु.	२७
Seeta Jayanti (Seeta Birthday)	Fri.	28
सीता जयन्ती (श्री सीता जन्म)(वैशाख शुक्ल नवमी)	शुक्र.	२८

MAY 2023

Vaishakh - Jyeshth

वैशाख - ज्येष्ठ

DAY DATE

Samvat 2080

संवत् २०८०

Mohini Ekadashi Vrat	Thu.	01
मोहिनी एकादशी व्रत	सोम.	०१
Bhum Pradosh Vrat	Tue.	02
भौम प्रदोष व्रत	मंग.	०२
Shri Nrusingh Jayanti	Wed.	03
श्री नृसिंह जयन्ती	बुध.	०३
Shri Koorm Jayanti	Thu.	04
श्री कूर्म जयन्ती	गुरु.	०४
Poornima (Satyanarayan) Vrat	Thu.	04
पूर्णिमा व्रत (वैशाख)	गुरु.	०४
Buddh Poornima (BuddhJayanti)	Fri.	05

बुद्ध पूर्णिमा (बुद्ध जयन्ती) (सत्यनारायण)(वैशाख)	शुक्र.	०५
Partial Lunar Eclipse	Fri.	05
<u>This Lunar Eclipse will not be visible in Ottawa</u>		
खण्ड चन्द्र ग्रहण(यह चन्द्रग्रहण आटवा में नहीं दिखेगा)	शुक्र.	०५
Vaishakh Snan (Bath) ends	Fri.	05
वैशाख स्नान समाप्त	शुक्र.	०५
Narad Jayanti	Sat.	06
नारद जयन्ती	शनि.	०६
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat	Mon.	08
संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत	सोम.	०८
Shri Sheetala Ashtami Vrat	Fri.	12
श्री शीतला अष्टमी व्रत	शुक्र.	१२
Kalaashtami Vrat(Bhairv Puja)	Fri.	12
कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)	शुक्र.	१२
Mother's Day	Sun.	14
मातृ दिवस	रवि.	१४
Sankranti (Jyeshth)(Vrishabha)	Sun.	14
संक्रान्ति (ज्येष्ठ) (वृषभ)	रवि.	१४
Achla (Apra) Ekadashi Vrat	Mon.	15
अचला (अपरा) एकादशी व्रत	सोम.	१५
Bhum Pradosh Vrat	Tue.	16
भौम प्रदोष व्रत	मंग.	१६
Vat Savitri Vrat (U.P.) (Begins)	Tue.	16
वट सावित्री व्रत प्रारम्भ (प्रथमदिन) (उत्तर भारत)	मंग.	१६
MasShivaratri 13 Vrat (Jyeshth)	Wed.	17

मासशिवरात्रि व्रत (ज्येष्ठ)	बुध.	१७
Vat Savitri Vrat (U.P.) (2nds)	Wed.	17
वट सावित्री व्रत (द्वितीय दिवस) (उत्तर भारत)	बुध.	१७
Vat Savitri Vrat (U.P.) (Ends)	Thu.	18
वट सावित्री व्रत समाप्त (उत्तर भारत)	गुरु.	१८
Amavasya (Jyeshth)	Thu.	18
अमावस्या (ज्येष्ठ) (स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	गुरु.	१८
Amavasya (Jyeshth)	Fri.	19
अमावस्या (ज्येष्ठ) (स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	शुक्र.	१९
Shri Shanaishchar Jayanti	Fri.	19
श्री शनैश्वर जयन्ती	शुक्र.	१९
Rambha Trutiya	Mon.	22
रम्भा तृतीया	सोम.	२२
Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat	Tue.	23
वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत	मंग.	२३
Shri Skand Shashthi (Kumar)	Thu.	25
श्री स्कन्द षष्ठी (कुमार)	गुरु.	२५
MasikDurgaAshtami Vrat	Sat.	27
मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	शनि.	२७
Ksheer Bhavani (Mela)Kashmir	Sun.	28
क्षीर भवानी (मेला)काश्मीर	रवि.	२८
Ganga Dashara	Mon.	29
गंगा दशहरा (गंगा जन्म)	सोम.	२९
Gayatri Jayanti	Tue.	30
गायत्री जयन्ती	मंग.	३०

Nirjala Ekadashi Vrat

निर्जला एकादशी व्रत

Tue. 30

मंग. ३०

JUNE 2023

DAY DATE

Jyeshth– Aashadh

Samvat 2080

ज्येष्ठ - आषाढ

संवत् २०८०

Pradosh Vrat (Jyeshth)

Thu. 01

प्रदोष व्रत (ज्येष्ठ)

गुरु. ०१

Vat Savitri Vrat (South India)

Sat. 03

वट सावित्री व्रत (दक्षिण भारत)

शनि. ०३

Sant Kabeer Jayanti

Sat. 03

संत कबीर जयन्ती

शनि. ०३

Poornima (Satyanarayan) Vrat Sat. 03

पूर्णिमा (ज्येष्ठ) (सत्यनारायण) व्रत

शनि. ०३

Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat

Tue. 06

संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत

मंग. ०६

Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja)

Sat. 10

कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)

शनि. १०

Shri Sheetala Ashtami Vrat

Sat. 10

श्री शीतला अष्टमी व्रत

शनि. १०

Yogini Ekadashi Vrat

Tue. 13

योगिनी एकादशी व्रत

मंग. १३

Pradosh Vrat

Thu. 15

प्रदोष व्रत

गुरु. १५

Sankranti (Aashadh)(Mithuna) Thu. 15

संक्रान्ति (आषाढ) (मिथुन)

गुरु. १५

MasShivaratri 13 Vrat (Aashadh)	Thu.	15
मासशिवरात्रि व्रत (आषाढ)	गुरु.	१५
Amavasya	Sat.	17
अमावस्या(आषाढ)(स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	शनि.	१७
Rathyatra (JagannathPuri)	Mon.	19
रथयात्रा (जगन्नाथ पुरी)	सोम.	१९
Surya Dakshinayan (Biggest day of year)	Wed.	21
सूर्य दक्षिणायन(साल का सबसे बडा दिन)	बुध.	२१
Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat	Wed.	21
वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत	बुध.	२१
Skand Shashthi (kumar Shashthi Vrat)	Sat.	24
स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)	शनि.	२४
Bhanu Saptami	Sun.	25
भानु सप्तमी	रवि.	२५
MasikDurgaAshtami Vrat	Mon.	26
मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	सोम.	२६
Harishayani Ekadashi Vrat	Thu.	29
हरिशयनी (देवशयनी) एकादशी व्रत	गुरु.	२९
Chaturmasya Vrat Begins	Thu.	29
चातुर्मास्य व्रत आरम्भ	गुरु.	२९
Vaman Dwadashi	Thu.	29
वामन(वासुदेव) द्वादशी	गुरु.	२९
Pradosh Vrat	Fri.	30
प्रदोष व्रत (आषाढ)	शुक्र.	३०

JULY 2023

DAY DATE

Aashadh –Shuddh Shravan Samvat 2080

आषाढ - शुद्ध श्रावण(पुरुषोत्तम)मास संवत् २०८०

Canada Day	Sat.	01
केनेडा दिवस	शनि.	०१
Jayaparvati Vrat (Gujarat)Begins	Sat.	01
जया पार्वती व्रत प्रारम्भ (गुजरात)	शनि.	०१
Kokila Vrat	Sun.	02
कोकिला व्रत	रवि.	०२
Poornima Vrat	Sun.	02
पूर्णिमा व्रत	रवि.	०२
GuruPoornima(Satyanarayan)Vrat	Mon.	03
गुरु पूर्णिमा (सत्यनारायण) (व्यास पूजा) व्रत	सोम.	०३
Mangala Gauri Vrat (First)	Tue.	04
मंगला गौरी व्रत (श्रावण मास)	मंग.	०४
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat	Wed.	05
संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत	बुध.	०५
Jayaparvati Vrat (Gujarat)Ends	Wed.	05
जया पार्वती व्रत समाप्त (गुजरात)	बुध.	०५
Bhanu Saptami	Sun.	09
भानु सप्तमी	रवि.	०९
Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja)	Sun.	09
कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)	रवि.	०९
Shri Sheetala Ashtami Vrat	Mon.	10
श्री शीतला अष्टमी व्रत	सोम.	१०
Shravan Somvar Vrat Begins	Mon.	10

श्रावण सोमवार व्रत प्रारम्भ (प्रथम)	सोम.	१०
Mangala Gauri Vrat	Tue.	11
मंगला गौरी व्रत (श्रावण मास)	मंग.	११
Kamika Ekadashi Vrat	Thu.	13
कामिका (कामदा)एकादशी व्रत	गुरु.	१३
Pradosh Vrat	Fri.	14
प्रदोष व्रत	शुक्र.	१४
MasShivaratri 13 Vrat (Shravan)	Sat.	15
मासशिवरात्रि व्रत	शनि.	१५
Sankranti (kark) (Shravan)	Sun.	16
संक्रान्ति (कर्क) (श्रावण)	रवि.	१६
Amavasya	Sun.	16
अमावस्या(आषाढ)(स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	रवि.	१६
Somavati Amavasya (PeepalPooja)	Mon.	17
सोमावती अमावस्या (पीपल वृक्ष विष्णु पूजन)	सोम.	१७
Shravan Somvar Vrat	Mon.	17
श्रावण सोमवार व्रत (द्वितीय)	सोम.	१७
Amavasya (Hariyali)	Mon.	17
अमावस्या (हरियाली) (स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	सोम.	१७
Adhik Shravan Manth Begins	Tue.	18
अधिक श्रावण (पुरुषोत्तम)मास प्रारम्भ	मंग.	१८
Mangala Gauri Vrat	Tue.	18
मंगला गौरी व्रत (अधिक श्रावण मास)	मंग.	१८
Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat	Fri.	21
वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत (अधिक श्रावण मास)	शुक्र.	२१

Skand Shashthi (kumar Shashthi Vrat) स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)	Sun. 23 रवि. २३
Shravan Somvar Vrat श्रावण सोमवार व्रत (अधिक श्रावण मास)	Mon. 24 सोम. २४
Mangala Gauri Vrat मंगला गौरी व्रत (अधिक श्रावण मास)	Tue. 25 मंग. २५
MasikDurgaAshtami Vrat मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत (अधिक श्रावण मास)	Tue. 25 मंग. २५
Budha Ashtami Vrat बुध अष्टमी व्रत	Wed. 26 बुध. २६
Purusottami(kamala)Eakadashi पुरुषोत्तमी(कमला)(पद्मिनी) एकादशी	Fri. 28 शुक्र. २८
Pradosh Vrat (Adhik Shrava) प्रदोष व्रत (अधिक श्रावण मास)	Sun. 30 रवि. ३०
Shravan Somvar Vrat श्रावण सोमवार व्रत (अधिक श्रावण मास)	Mon. 31 सोम. ३१
Poornima Vrat पूर्णिमा व्रत	Mon. 31 सोम. ३१

AUGUST 2023

DAY DATE

Adhik Shravan – Bhadrapad Samvat 2080

अधिक श्रावण (पुरुषोत्तम)मास –भाद्रपद संवत् २०८०

Mangala Gauri Vrat
मंगला गौरी व्रत (अधिक श्रावण मास)
Tue. 01
मंग. ०१

Poornima Vrat (Adhik Shravan)
पूर्णिमा व्रत (सत्यनारायण) (अधिक श्रावण मास)
Tue. 01
मंग. ०१

Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत	Fri. शुक्र.	04 ०४
Shravan Somvar Vrat श्रावण सोमवार व्रत (अधिक श्रावण मास)	Mon. सोम.	07 ०७
Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja) कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा) (अधिक श्रावण)	Mon. सोम.	07 ०७
Mangala Gauri Vrat मंगला गौरी व्रत (अधिक श्रावण मास)	Tue. मंग.	08 ०८
Ashtami Vrat अष्टमी व्रत	Tue. मंग.	08 ०८
Purusottami(kamala)Eakadashi पुरुषोत्तमी(कमला) (पद्मिनी) एकादशी	Fri. शुक्र.	11 ११
Pradosh Vrat (Adhik Shravan) प्रदोष व्रत (अधिक श्रावण मास)	Sun. रवि.	13 १३
Shravan Somvar Vrat श्रावण सोमवार व्रत(अधिक श्रावण मास)	Mon. सोम.	14 १४
MasShivaratri13Vrat(AdhikShravan) मासशिवरात्रि व्रत (अधिक श्रावण मास)	Mon. सोम.	14 १४
Mangala Gauri Vrat मंगला गौरी व्रत (अधिक श्रावण मास)	Tue. मंग.	15 १५
BhumavatiAmavasya(Adhik Shravan) भौमवती अमावस्या(अधिक श्रावण)(स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	Tue. मंग.	15 १५
Bharat Svtantrata Divas (77) भारत स्वतंत्रता दिवस (७७वां)	Tue. मंग.	15 १५
Adhik Shravan Manth Ends	Tue.	15

अधिक श्रावण (पुरुषोत्तम)मास समाप्त	मंग.	१५
Shuddh Shravan Manth Begins	Wed.	16
शुद्ध श्रावण (पुरुषोत्तम) मास प्रारम्भ	बुध.	१६
Sankranti (Sinha)(Bhadrapad)	Thu.	17
संक्रान्ति (सिंह) (भाद्रपद)	गुरु.	१७
Madhushrwa (Singhara) Teej Vrat	Sat.	19
मधुश्रवा (सिंघारा या स्वर्णगौरी) तीज व्रत	शनि.	१९
Hariyali Teej Vrat	Sat.	19
हरियाली तीज व्रत	शनि.	१९
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat	Sun.	20
संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत	रवि.	२०
Shravan Somvar Vrat	Mon.	21
श्रावण सोमवार व्रत	सोम.	२१
Nag Panchmi	Mon.	21
(Worship of Takshak Nags at the main entrance)		
नाग पंचमी (गृह द्वार पर तक्षक नागों की पूजा)	सोम.	२१
Kalki Avatar (Jayanti)	Mon.	21
कल्कि अवतार (जयन्ती)	सोम.	२१
Mangala Gauri Vrat	Tue.	22
मंगला गौरी व्रत (श्रावण मास)	मंग.	२२
Goswami Tulsidas Jayanti	Wed.	23
गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती	बुध.	२३
MasikDurgaAshtami Vrat	Thu.	24
मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत (श्रावण मास)	गुरु.	२४
Mela Shri Chintpurani Mata begin	Thu.	24

मेला श्री चिन्तपूर्णी माता (प्रारम्भ)	गुरु.	२४
Varalakshmi Vrat	Fri.	25
वरलक्ष्मी व्रत	शुक्र.	२५
Putrada(Pavitra)Ekadashi Vrat	Sun.	27
पुत्रदा(पवित्रा) एकादशी व्रत	रवि.	२७
SomPradosh Vrat	Mon.	28
सोमप्रदोष व्रत	सोम.	२८
Shravan Somvar Vrat Ends	Mon.	28
श्रावण सोमवार व्रत समाप्त	सोम.	२८
Mangala Gauri Vrat Ends	Tue.	29
मंगला गौरी व्रत (श्रावण मास) समाप्त	मंग.	२९
Sharvanikarm (Rigvede Sharvanikarm)	Tue.	29
श्रावणी कर्म (ऋग्वेदि श्रावणी कर्म)	मंग.	२९
Poornima (Satyanarayan) Vrat	Wed.	30
पूर्णिमा (सत्यनारायण) व्रत (श्रावण मास)	बुध.	३०
Rakshabandhan	Wed.	30
रक्षा बन्धन	बुध.	३०
Sharvanikarm (YajurvedeSharvanikarm)	Wed.	30
श्रावणी कर्म (यजुर्वेदी श्रावणी कर्म)	बुध	३०
Gayatri Jayanti	Wed.	30
गायत्री जयन्ती	बुध.	३०
Hayagriva Jayanti	Wed.	30
हयग्रीव जयन्ती	बुध.	३०
Shri Amarnath Gufa Darshan	Thu.	31
श्री अमरनाथ गुफा दर्शन	गुरु.	३१

SEPTEMBER 2023

Bhadrapad - Ashvin

भाद्रपद – आश्विन

DAY DATE

Samvat 2080

संवत् २०८०

Kajjali Teej (Kajari)

कज्जली तीज (कजरी)

Sat. 02

शनि. ०२

Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat

संकष्टी (बहुला) गणेश चतुर्थी व्रत

Sat. 02

शनि. ०२

Chandan Shashthi

चन्दन षष्ठी

Mon. 04

सोम. ०४

Hal Shashthi (Lalhi Shashthi) Vrat

हल षष्ठी (ललही षष्ठी) व्रत

Mon. 04

सोम. ०४

Shri KrishnJanmashtami Vrat

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत (स्मार्त सम्प्रदाय) (SmartaGrup)

Wed. 06

बुध. ०६

Kalaashtami Vrat(Bhairv Puja)

कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)

Wed. 06

बुध. ०६

Gokulastami (Nandotsav)

गोकुलाष्टमी (नन्दोत्सव)(दही हाण्डी)

Thu. 07

गुरु. ०७

Shri Krishn Janmashtami Vrat

श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत (वैष्णव सम्प्रदाय)

Thu. 07

गुरु. ०७

Shri Gugga Navami

श्री गुग्गा नवमी (गंधर्व नवमी)

Thu. 07

गुरु. ०७

Jaya Ekadashi Vrat

जया (अजा) एकादशी व्रत

Sun. 10

रवि. १०

SomPradosh Vrat

सोमप्रदोष व्रत

Mon. 11

सोम. ११

MasShivaratri 13 Vrat (Bhadrapad) मासशिवरात्रि व्रत (भाद्रपद)	Tue. 12 मंग. १२
Amavasya (Kushgrahni) अमावस्या (कुशग्रहणी) (स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	Thu. 14 गुरु. १४
Sankranti (Kanya)(Ashvin) संक्रान्ति (कन्या) (आश्विन)	Sun. 17 रवि. १७
Varaha Avatar (Jayanti) वाराह अवतार (जयन्ती)	Sun. 17 रवि. १७
Haritalika Teej Vrat हरितालिका तीज व्रत	Sun. 17 रवि. १७
Vishvakarma Pooja विश्वकर्मा पूजा	Sun. 17 रवि. १७
Ganesh Chaturthi(Kalank) Vrat(<u>ottawa</u>) गणेश चतुर्थी व्रत (कलंक, पत्थर चौथ) (<u>आटवा</u>)	Mon. 18 सोम. १८
Shri Ganesh Poojan begins (Mumbai) श्री गणेश पूजन प्रारम्भ (मुम्बई, महाराष्ट्र)	Mon. 18 सोम. १८
Rishi Panchami Vrat ऋषि पंचमी व्रत	Tue. 19 मंग. १९
Skand Shashthi (kumar Shashthi Vrat) स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)	Wed. 20 बुध. २०
Lolark Shashthi Vrat लोलार्क षष्ठी व्रत (काशी लोलार्क कुण्ड स्नान)	Wed. 20 बुध. २०
Shri Maha Lakshmi Vrat Begins श्री महालक्ष्मी (१६दिवसीय) व्रत प्रारम्भ	Fri. 22 शुक्र. २२
MasikDurgaAshtami Vrat	Fri. 22

मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	शुक्र.	२२
Shri Radha Ashtami	Fri.	22
श्री राधा अष्टमी (मथुरा राधाकुण्ड स्नान)	शुक्र.	२२
Shri Durva Ashtami Vrat	Fri.	22
श्री दूर्वा अष्टमी व्रत	शुक्र.	२२
Maharavivar Vrat	Sun.	24
महारविवार व्रत (आज नमक रहित भोजन दिवस)	रवि.	२४
Vaman Jayanti	Mon.	25
वामन जयन्ती	सोम.	२५
Padma Ekadashi Vrat	Mon.	25
पद्मा(परिवर्तिनी) एकादशी व्रत	सोम.	२५
Bhum Pradosh Vrat	Tue.	26
भौम प्रदोष व्रत	मंग.	२६
Anant Chaturdashi Vrat	Thu.	28
अनन्त चतुर्दशी व्रत	गुरु.	२८
Shri GaneshPoojanEnds(Mumbai)	Thu.	28
श्री गणेश पूजन समाप्त (विसर्जन) (मुम्बई, महाराष्ट्र)	गुरु.	२८
Poornima (Satyanarayan)Vrat	Thu.	28
पूर्णिमा (सत्यनारायण) व्रत	गुरु.	२८
Poornima Shraddh	Thu.	28
पूर्णिमा श्राद्ध (पूर्णिमा के दिन मृत प्राणियों का श्राद्ध दिन)	गुरु.	२८
ShraddhPaksh (Mahaly) Begins	Fri.	29
श्राद्ध पक्ष आरम्भ (पितृपक्ष या महालय आरम्भ)	शुक्र.	२९
Pratipad shraddh (1st Day)	Fri.	29
प्रतिपद श्राद्ध (श्राद्ध पहला दिन)	शुक्र.	२९

Dwitiya Shraddh (2nd Day)
द्वितीया श्राद्ध (श्राद्ध दूसरा दिन)

Sat. 30
शनि. ३०

OCTOBER 2023

Ashvin - Kartik

आश्विन - कार्तिक

DAY DATE

Samvat 2080

संवत् २०८०

Tritiya Shraddh (3rd Day)
त्रितीया श्राद्ध (श्राद्ध तीसरा दिन)

Sun. 01
रवि. ०१

Mahatma Gandhi Jayanti
महात्मा गांधी जयन्ती

Mon. 02
सोम. ०२

Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat
संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत

Mon. 02
सोम. ०२

Chaturthi Shraddh (4th Day)
चतुर्थी श्राद्ध (श्राद्ध चौथा दिन)

Mon. 02
सोम. ०२

Panchami Shraddh (5th Day)
पंचमी श्राद्ध (श्राद्ध पांचवा दिन)

Tue. 03
मंग. ०३

Shashthi Shraddh (6th Day)
षष्ठी श्राद्ध (श्राद्ध छठा दिन)

Wed. 04
बुध. ०४

Saptami Shraddh (7th Day)
सप्तमी श्राद्ध (श्राद्ध सातवां दिन)

Thu. 05
गुरु. ०५

Mahalakshmi Vrat

महालक्ष्मी व्रत

Thu. 05
गुरु. ०५

Jeevatputrika Vrat

जीवत्पुत्रिका व्रत(जीमूत वाहन गणेश पूजन)

Fri. 06
शुक्र. ०६

Ashtami Shraddh (8th Day)
अष्टमी श्राद्ध (श्राद्ध आठवां दिन)

Fri. 06
शुक्र. ०६

Kalaashtami Vrat(Bhairv Puja)

Fri. 06

कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)	शुक्र.	०६
Navami Shraddh (9th Day) नवमी श्राद्ध (श्राद्ध नवां दिन)	Sat.	07
	शनि	०७
Dashmi Shraddh (10th Day) दशमी श्राद्ध (श्राद्ध दशवां दिन)	Sun.	08
	रवि.	०८
Ekadashi Shraddh (11th Day) एकादशी श्राद्ध (श्राद्ध ग्यारहवां दिन)	Mon.	09
	सोम.	०९
Indira Ekadashi Vrat इन्दिरा एकादशी व्रत	Mon.	09
	सोम.	०९
Dwadashi Shraddh (12th Day) द्वादशी श्राद्ध (श्राद्ध बारहवां दिन)	Tue.	10
	मंग.	१०
Pradosh Vrat प्रदोष व्रत	Wed.	11
	बुध.	११
Trayodashi Shraddh (13th Day) त्रयोदशी श्राद्ध (श्राद्ध तेरहवां दिन)	Wed.	11
	बुध.	११
MasShivaratri 13 Vrat (Ashvin) मासशिवरात्रि व्रत (आश्विन)	Thu.	12
	गुरु.	१२
Chaturdashi Shraddh (14th Day) चतुर्दशी श्राद्ध (श्राद्ध चौदहवां दिन)	Thu.	12
	गुरु.	१२
Amavasya (Ashvin) अमावस्या (आश्विन)	Fri.	13
	शुक्र.	१३
Amavasya(PitriVisarjan)(Shraddh Ends) अमावस्या <u>पितृविसर्जन</u> ,सर्वपैत्री श्राद्ध (श्राद्ध समाप्त)	Sat.	14
	शनि.	१४
Partial Solar Eclipse (Ottawa) खण्ड सूर्य ग्रहण (आटवा में आंशिक सूर्य ग्रहण)	Sat.	14
	शनि.	१४
<u>ग्रहण प्रारम्भ काल दोपहर १२:०५</u> <u>ग्रहण समाप्ति सायंकाल ०२:२२</u>		

Sharad Navratri Begins	Sun.	15
शरद नवरात्रि प्रारम्भ (आश्विन शुक्ल)	रवि.	१५
Sankranti (Kartik) (Tula)	Tue.	17
संक्रान्ति (कार्तिक)(तुला)	मंग.	१७
Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat	Wed.	18
वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत	बुध.	१८
Lalita Panchami Vrat	Thu.	19
ललिता पञ्चमी व्रत	गुरु.	१९
Skand Shashthi (kumar Shashthi Vrat)	Thu.	19
स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)	गुरु.	१९
Shri Saraswati Poojan Begins	Thu.	19
श्री सरस्वती पूजन प्रारम्भ	गुरु.	१९
Akal Bodhan Pooja (Bengal)	Fri.	20
अकाल बोधन पूजा (बंगाल)	शुक्र.	२०
Navpatrika Pooja (Bengal)	Sat.	21
नवपत्रिका पूजा (बंगाल)	शनि.	२१
Sandhi Pooja (Bengal)	Sun.	22
सन्धि पूजा (बंगाल)	रवि.	२२
Shri Durga Ashtami (Kanya Pooja)	Sun.	22
श्री दुर्गा अष्टमी (कन्या पूजन) <u>अष्टमी सुबह १०:२८ तक</u>	रवि.	२२
Shri Saraswati Poojan Ends	Sun.	22
श्री सरस्वती विसर्जन	रवि.	२२
Maha Navami (Navratri ends)	Sun.	22
महानवमी(नवरात्रि समाप्त) <u>नवमी प्रारम्भ सुबह १०:२९</u>	रवि.	२२
Maha Navami (Navratri ends)	Mon.	23

महानवमी (नवरात्रि समाप्त) नवमी सुबह ८:१४ तक	सोम.	२३
Navratri Vrat Parna	Mon.	23
नवरात्रि व्रत पारण	सोम.	२३
Vijaya Dashmi(Dussehra)	Mon.	23
विजया दशमी,दशहरा (आयुध,शस्त्र पूजा)	सोम.	२३
Papankusha Ekadashi Vrat	Tue.	24
पापाङ्कुशा एकादशी व्रत	मंग.	२४
Pradosh Vrat	Thu.	26
प्रदोष व्रत	गुरु.	२६
Poornima Vrat (Satyanarayan)	Fri.	27
पूर्णिमा व्रत (शरद) (सत्यनारायण)	शुक्र.	२७
Poornima (Ashvin)	Sat.	28
पूर्णिमा (आश्विन)	शनि.	२८
Partial Lunar Eclipse	Sat.	28
<u>This Lunar Eclipse will not be visible in Ottawa</u>		
खण्ड चन्द्र ग्रहण(यह चंद्रग्रहण आटवा में नहीं दिखेगा)	शनि.	२८
खण्ड चन्द्र ग्रहण(सायंकाल ०२:०० से ०६:२७ तक)	शनि.	२८
Maharshi Valmiki Jayanti	Sat.	28
महर्षि वाल्मीकि जयन्ती	शनि.	२८
Kartik Snan (Bath) Begins	Sat.	28
कार्तिक स्नान प्रारम्भ	शनि.	२८
KartikTulsipoojan Deepdan(Begins)	Sat.	28
कार्तिक तुलसी पूजन दीपदान प्रारम्भ	शनि.	२८
Karva Chauth Vrat (Canada)	Tue.	31
करवा चौथ व्रत (गणेश चतुर्थी व्रत) केनेडा	मंग.	३१

Tritiya will remain till 12:00 noon after that Chaturthi.

Moonrise will happen at 7:24 in the evening

तृतीया १२:०० दोपहर तक उसके बाद चौथ (चन्द्रोदय सायं ०७:२४ पर होगा)

Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat	Tue.	31
संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत	मंग.	३१

NOVEMBER 2023

DAY DATE

Kartik – Margsheersh

Samvat 2080

कार्तिक – मार्गशीर्ष

संवत् २०८०

Ahoi Ashtami

Sat. 04

अहोई अष्टमी

शनि. ०४

Radhaashtami Vrat (Jayanti)

Sat. 04

राधाष्टमी व्रत (राधा जन्मोत्सव) राधा कुण्ड स्नान

शनि. ०४

Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja)

Sat. 04

कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)

शनि. ०४

Rambha Ekadashi Vrat

Wed. 08

रम्भा (रमा) एकादशी व्रत

बुध. ०८

Govats Dwadashi

Thu. 09

गोवत्स द्वादशी

गुरु. ०९

Pradosh Vrat

Fri. 10

प्रदोष व्रत

शुक्र. १०

Dhan Trayodashi (Dhanteras)

Fri. 10

धन त्रयोदशी (धनतेरस) (चार बत्तियों वाला यम दीप दान)

शुक्र. १०

MasShivaratri 13 Vrat (Kartik)

Sat. 11

मासशिवरात्रि व्रत (कार्तिक)

शनि. ११

Hanuman Jayanti (HanumanJanam)

Sat. 11

हनुमान जयन्ती (हनुमान जन्म, उत्तर भारत)	शनि.	११
Narak Chaturdashi (Kali Chaudas)	Sat.	11
नरक चतुर्दशी (काली चौदस)	शनि.	११
Deepavali (Amavasya) (Kartik)	Sun.	12
दीपावली(अमावस्या)(गणेश-लक्ष्मी, दीप पूजा)(हनुमान दर्शन)	रवि.	१२
<u>(चोपडा पर सरस्वती, कलम दावात पर काली, सिक्के पर कुबेर पूजा करें)</u>		
(Warship Saraswati on Chopra, Kali on kalm(Pen) dawat, Kuber on coin)		
Govardhan Pooja (Annkoot)	Mon.	13
गोवर्धन पूजा (अन्नकूट)	सोम.	१३
Bhai Dooj (Yama Dvitiya)	Tue.	14
भाई दूज (यम द्वितीया)(बहन के घर भोजन)	मंग.	१४
Chitragupt pooja (Kalam- dawat pooja)	Tue.	14
चित्र गुप्त पूजा (कलम-दावात पूजा)	मंग.	१४
Vishvakarma Pooja (Punjab)	Tue.	14
विश्वकर्मा पूजा (पंजाब)	मंग.	१४
Sankranti (Margsheersh)Vrishchik	Sat.	16
संक्रान्ति (मार्गशीर्ष) (वृश्चिक)	शनि.	१६
Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat	Thu.	16
वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत	गुरु.	१६
Surya Shashthi Vrat Begins	Thu.	16
सूर्यषष्ठी व्रत आरम्भ (प्रथम दिन)	गुरु.	१६
Labh Panchami(Gujarat)	Fri.	17
लाभ पञ्चमी (सौभाग्य पञ्चमी)	शुक्र.	१७
Surya Shashthi Vrat 2nd day	Fri.	17
सूर्यषष्ठी व्रत (द्वितीय दिन) (संध्या अर्घ्य)	शुक्र.	१७

Surya Shashthi Vrat 3rd day सूर्यषष्ठी व्रत तृतीय दिन(प्रातः अर्घ्य व्रत पारणा)	Sat.	18
	शनि.	१८
Bhanu Saptami भानु सप्तमी	Sun.	19
	रवि.	१९
Gopashtami (Cow Pooja) गोपाष्टमी (सायं गाय को अलंकृत कर पूजा)	Mon.	20
	सोम.	२०
MasikDurgaAshtami Vrat मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	Mon.	20
	सोम.	२०
Shri Sheetala Ashtami Vrat श्री शीतला अष्टमी व्रत	Mon.	20
	सोम.	२०
Jagaddhatri Pooja (Bengal) जदध्दात्री पूजा (बंगाल)	Tue.	21
	मंग.	२१
Akashya Navami (AmalaPooja) अक्षय नवमी(आमला वृक्ष पूजन,आमलावृक्षतटेभोजन)	Tue.	21
	मंग.	२१
Shri Bheeshmpanchak Begins श्री भीष्मपञ्चक आरम्भ	Wed.	22
	बुध.	२२
HariPrabhodhaniEkadashiVrat हरि प्रबोधनी (देवुत्थान) एकादशी व्रत	Thu.	23
	गुरु.	२३
Tulsi Vivah (Tulsi Marriage) तुलसी विवाह	Fri.	24
	शुक्र.	२४
Pradosh Vrat प्रदोष व्रत (कार्तिक)	Fri.	24
	शुक्र.	२४
Chaturmas Vrat Ends चातुर्मास व्रत समाप्त	Fri.	24
	शुक्र.	२४
Vishweshwara Vrat (Kashi Vishvnath Puja)	Sat.	25

विश्वेश्वर व्रत (श्री काशी विश्वनाथ स्थापना दिवस)	शनि.	२५
Shri Vaikunth Chaturdashi Vrat	Sat.	25
श्री वैकुण्ठ चतुर्दशी व्रत(काशी मणिकर्णिका स्नान)	शनि.	२५
Poornima (Satyanarayan) Vrat	Sun.	26
पूर्णिमा कार्तिक (सत्यनारायण) व्रत (देव दीपावली)	रवि.	२६
Guru Nanak Jayanti	Sun.	26
गुरु नानक जयन्ती	रवि.	२६
Shri Bheeshmpanchak Ends	Sun.	26
श्री भीष्मपञ्चक समाप्त	रवि.	२६
Kartik Snan (bath) Ends	Sun.	26
कार्तिक स्नान समाप्त	रवि.	२६
KartikTulsipoojan Deepdan (Ends)	Sun.	26
कार्तिक तुलसी पूजन दीपदान समाप्त	रवि.	२६
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat	Thu.	30
संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत	गुरु.	३०

DECEMBER 2023 DAY DATE

Margsheersh – Paush Samvat 2080

मार्गशीर्ष - पौष संवत् २०८०

Shri KalbhairavJayanti(Ashtami) Mon. 04

श्री कालभैरव जयन्ती (अष्टमी) सोम. ०४

Kalaashtami Vrat(Bhairv Puja) Mon. 04

कालाअष्टमी व्रत सोम. ०४

Utpanna Ekadashi Vrat Fri. 08

उत्पन्ना एकादशी व्रत शुक्र. ०८

Pradosh Vrat Sun. 10

प्रदोष व्रत	रवि.	१०
MasShivaratri 13 Vrat (Margsheersh)	Sun.	10
मासशिवरात्रि व्रत (मार्गशीर्ष)	रवि.	१०
Bhoumavti Amavasya	Tue.	12
भौमवती अमावस्या (स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	मंग.	१२
Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat	Sat.	16
वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत	शनि.	१६
Shri Ram Vivah (Ram Marriage)	Sat.	16
श्री राम विवाह (विवाह पञ्चमी)	शनि.	१६
Sankranti (Paush)Dhanu	Sat.	16
संक्रान्ति (पौष) (धनु)	शनि.	१६
Kharmas Bgins	Sat.	16
खरमास प्रारम्भ	शनि.	१६
Skand Shashthi	Sun.	17
स्कन्द षष्ठी	रवि.	१७
Champa Shashthi	Sun.	17
चम्पा षष्ठी	रवि.	१७
Mitra Saptami	Mon.	18
मित्र सप्तमी	सोम.	१८
MasikDurgaAshtami Vrat	Tue.	19
मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	मंग.	१९
Surya Uttarayan(Shortest Day of Year)	Thu.	21
सूर्य उत्तरायण (साल का सबसे छोटा दिन)	गुरु.	२१
Mokshada Ekadashi Vrat	Fri.	22
मोक्षदा एकादशी व्रत	शुक्र.	२२

Shri Geeta Jayanti श्री गीता जयन्ती	Fri. 22 शुक्र. २२
Pradosh Vrat प्रदोष व्रत	Sun. 24 रवि. २४
AnnagTryodashi Vrat अनंग त्रयोदशी व्रत	Sun. 24 रवि. २४
PishachmochanShraddh (Varanasi) पिशाचमोचन श्राद्ध (वाराणसी, काशी)	Mon. 25 सोम. २५
Dattatreya Jayanti दत्तात्रेय जयन्ती	Tue. 26 मंग. २६
Annapurna Jayanti अन्नपूर्णा जयन्ती (काशी)	Tue. 26 मंग. २६
PoornimaVrat (Satyanarayan) पूर्णिमा व्रत (सत्यनारायण) (मार्गशीर्ष)	Tue. 26 मंग. २६
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत	Sat. 30 शनि. ३०



मातृ देवो भव । पितृ देवो भव । आचार्य देवो भव । (तैत्तिरीय १।२२।२)



✦ Procedures Observing Fasts on Seven Days Of the week ✦

सोमवार व्रत - शुक्ल पक्ष के सोमवार से शुरू करें, मानसिक शान्ति एवं पारिवारिक शान्ति हेतु शुभ फलदायक है । अधिक से अधिक जितना हो सके चंद्रमा के मंत्र का जप करें , । शिव-पार्वती की फूल, चावल, पंचामृत, धूप, दीप आदि से पूजा करें । खट्टा व नमक खाना मना है, सफेद भोजन जैसे चावल, खीर आदि एक समय खायें । सफेद वस्तु का दान करें, स्वयं भी सफेद वस्त्र व अन्य श्वेत द्रव्य का प्रयोग करें। कुल ५४ सोमवारों का व्रत करें। सोलह सोमवार व्रत भी किये जा सकते हैं । अन्तिम व्रत में साङ्गोपाङ्ग शिव पूजा करें , हवनादि कर्म करें, बालकों को भोजन करा सकतें हैं ।

Monday Fast- Start this fast on any Monday of Shukla Paksha. This fast is observed for mental peace and family happiness. Recite as much as possible Moon-mantra. Perform Shiv Parwati pooja with flowers, rice, lamp, incense and panchamrit etc. Take meals only once. Use of salt and pickles are prohibited. Wear white and donate white clothes. Observe 54 fasts. It is also useful to observe 16 Monday fasts only. Perform pooja and hawan methodically on the day of last fast. Distribute food among small boys.

मंगलवार व्रत— मानसिक व शारीरिक रोगों की निवृत्ति एवं क्रोध शमन के लिए शुक्ल पक्ष के मंगलवार से व्रत प्रारम्भ करें, २१ व्रत करें। गुड़ के हलवे का प्रसाद भोग लागायें, भक्तों को भी प्रसाद वितरण करें, नमक खाना वर्जित है, हनुमान जी की पूजा करें, लाल वस्त्र धारण करें, कम से कम सात माला मंगल के मंत्र का जप करें। हनुमान चालिसा का पाठ भी हितकर होगा। अन्तिम मंगल को विधिवत पूजा हवन कर २१ बालकों को भोजन करावें और मीठा भी खिलाना चाहिये।

Tuesday Fast-

This fast is observed for the cure of physical and mental ailments, particularly to suppress anger. Start fasting on any Tuesday of Shukla Paksha and observe 21 fasts. Distribute and take yourself prasada of gur and halwa. Wear red clothes. Perform pooja of Hanumanji and recite basic Mangal mantra for at least 7 times. It is also useful to recite Hanuman Chalisa. On the day of last fast, perform Mangal pooja methodically and serve sweet food to 21 young boys.

बुधवार व्रत— यह व्रत शुक्ल पक्ष के बुधवार से प्रारम्भ कर सकते हैं, बौद्धिक विकास के लिये, व्यर्थ की दौड़ धूप एवं मानसिक संकटों की निवृत्ति हेतु इस व्रत को करते हैं। कुल ४५ व्रत करें, बुध के मंत्र की कम से कम सात माला जप करें। हरे रंग को अधिक प्रयोग में लायें एवं दान भी करें, मूंग के हलवे का प्रसाद वितरण करें। सूर्यास्त से पहले एक बार नमक रहित भोजन करें। अन्तिम बुधवार को विष्णु भगवान व गणेश जी की पूजा करें। बुध के मंत्र से हवन करें, बुध से संबन्धित दान करें, ब्राह्मणों को भोजन करायें।

Wednesday fast-

This fast is also to be started on the first Wednesday of Shukla Paksha for mental development and to avoid mental problems. In total 45 fasts are required. Recite at least 7 times the basic Buddha-mantra. Make an extra effort to use green color and distribute alms. Avoid taking salt and take food only once prior to sun-set. On the last day of the fast, pray to Lord Vishnu and Ganesha, perform hawan with Buddha-mantra, distribute food and money to Brahmins and the poor.

बृहस्पतिवार व्रत - यह व्रत पारिवारिक सुख शान्ति, सौभाग्य प्राप्ति, सन्तति लाभ, आध्यात्मिक प्रगति के लिये करना चाहिये। कुल १६ बृहस्पतिवार का व्रत करें। विष्णुभगवान की पूजा और बृहस्पति मंत्र का जप करें। पीले रंग की बनी वस्तुओं का दान करें और नमक रहित पीले खाद्यपदार्थों का भगवान को भोग लगाकर प्रसाद वितरण करें और स्वयं खायें। यह व्रत शुक्लपक्ष के प्रथम बृहस्पतिवार से शुरू करके अन्तिम बृहस्पतिवार तक किये गये मंत्र जप और विष्णुसहस्रनाम के द्वारा हवन करना चाहिये। ब्राह्मणों और संतों को भोजन तथा दक्षिणा देकर व्रत का समापन करना चाहिये।

Thursday Fast -

This fast is observed for family peace and happiness, good luck, meeting with saints and learned people and spiritual uplift. Observe a total of 16 fasts. Pray to Thursday Devata and recite Thursday-mantra. Distribute yellow coloured things. Consume yellow coloured food devoid of salt. Start fasting on the first Thursday of Shukla Paksha. On the last day of the fast, perform hawan with mantra and thousand Vishnu names. Complete the fast with the distribution of food and money to saintly people.

शुक्रवार व्रत - शुक्रवार का व्रत शुक्ल पक्ष के प्रथम शुक्रवार से पारिवारिक जीवन एवं गृह सुख शान्ति और गुप्त रोगों की निवृत्ति हेतु करना चाहिये। कुल २१ दिन व्रत करें कम से कम तीन माला शुक्रमंत्र का जप करना चाहिये। दूध, दही, चीनी, चावल का उपभोग व दान करना चाहिये। श्वेत वस्त्र पहनना चाहिये श्वेत चंदन का तिलक लगाना चाहिये। देवी की पूजा करनी चाहिये। खट्टा, नमक का सेवन न करें मिष्ठान्न भोजन करसकते हैं। शुक्र मंत्र से अंतिम शुक्रवार को हवन करना चाहिये खीर का प्रसाद वितरण करना चाहिये तत्पश्चात् स्वयं भी भोजन करें, सांसारिक सुख ऐश्वर्य के लिये यह व्रत उत्तम माना गया है।

Friday Fast -

The fast is observed for happiness and peace and to get rid of hidden ailments. Start this fast on the first Friday of Shukla Paksha. A minimum of 21 fasts are required. Recite at least three cycles of basic Shukra- mantra. Use and distribute milk, sugar, curd and rice etc. Wear white clothes and apply tilak of white sandalwood. It will also be useful to offer pooja to Devi mata. Take sweet meals only once avoiding salt and pickles. On the last day of the fast, perform hawan with the recitation of Shukra-mantra. Distribute to others and consume kheer prashad.

शनिवार व्रत - शनिवार का व्रत शुक्ल पक्ष से प्रारम्भ करके कुल ५१ व्रत रखना चाहिये। अन्तिम शनिवार को हवनादि कर्म करके तेल से बनें प्रसाद को दान करें और स्वयं भोजन करें। पदोन्नति, सांसारिक क्लेश निवृत्ति, मान वृद्धि, झगडा वाद विवाददि की समाप्ति हेतु यह व्रत करना चाहिये। शनिवार को शनि देवता की पूजा करनी चाहिये, शनि मंत्र की सात माला जप करें। काले और नीले रंग का प्रयोग करें। नारियल, जूता, छाता, शीशा, लोहादि का दान करें हो सके तो पीपल को पानी देना चाहिये तेल से बनें पदार्थ कुत्ते को खाने के लिये देना चाहिये। हनुमान चालिसा व संकटमोचन का पाठ करना चाहिये।

Saturday Fast-

Start this fast on a Saturday of Shukla Paksha and observe 51 fasts. This fast is observed for the elimination of arguments, clashes and tensions in life. Offer pooja to Shani devata and recite at least 7 cycles of Shani Mantra. Use blue color extensively. if possible, water papal tree. Also distribute coconut, shoes, umbrella, mirror and items made of iron.

रविवार व्रत –सूर्य ग्रह की शान्ति के लिये चर्मरोग, नेत्र रोग तथा अन्य शारीरिक रोग, गले के रोगों से रक्षा के लिये किसी भी मास के शुक्ल पक्ष के प्रथम रविवार से व्रत प्रारम्भ करना चाहिये। एक वर्ष तक व्रत करें, व्रत के दिन सूर्योदय से पूर्व उठें, स्नानोपरान्त लाल चन्दन का तिलक करें, सूर्य मंत्र का जप करें, सूर्यको अर्घ्य दें। सूर्यास्त से पूर्व ही एक समय भोजन करें, नमक नहीं खाना चाहिये। व्रत के अन्तिम रविवार को हवन करें, ब्राह्मण भोजन व सूर्य की पूजा विधिवत करें, ताम्र पात्र व गेहूँ, रक्त वस्त्र पहनना और दान करना चाहिये।

Sunday Fast-

This fast is observed to please Sun and is useful for the cure of skin, throat, eye and other physical ailments. Begin this fast on any Sunday of Shukla Paksha of any month and continue fasting for one year. Get up prior to sun-rise on the fasting day. Apply tilak with red sandalwood after bath. Recite Sun-mantara and offer water (aragh) to the sun. Take food only once prior to sunset. Use of salt is prohibited. Perform hawan on the last day of the fast. Worship Sun methodically and offer food to Brahmins. Wear red coloured clothes and distribute red clothes, copper utensils and wheat on the day of last fast.

🕯 Astrological Significance of Weekdays 🕯

रविवार — राज्याभिषेक, उत्सव, यात्रा, नौकरी, क्रय-विक्रय, औषध सेवन व निर्माण, सोना-चांदी धातु कार्य, शिक्षा-दीक्षा, वस्त्र खरीदना, न्याय सम्बन्धी कार्य करना शुभ होता है।

Sunday:- Good day for coronation, festivities, travel, buying and selling, manufacture and taking of medication, metal work in gold-silver, education, initiation, buying clothes and for court (Justice) related activity.

सोमवार — नूतन वस्त्र और रत्न धारण, चीनी आदि भोज्य पदार्थ, यज्ञ करना, दूध दही घृत सम्बन्धी कृत्य, स्त्री प्रसंग, क्रय-विक्रय, गीत, नृत्य, पशु सम्बन्धी कार्य, फूल लगाना, अक्षरारम्भ, विद्यारम्भ आदि कृत्य सोमवार को करना शुभ होता है।

Monday- Good for wearing new clothes and gems, buying groceries, performing Yajana business related to dairy products, buying and selling, music and dance, work related to animals, planting of flowers and for starting education.

मंगलवार — अग्नि, चोरी, विष, शस्त्र, बन्धन, घात, शठता, दम्भ, पाखण्ड, सेना सम्बन्धी, धातु सोना, मूग, वाद विवाद, अदालती कार्य, जासूसी नीति कार्य करना आदि अच्छा है। मंगलवार को ऋण लेना अच्छा नहीं होता।

Tuesday – It is a good day to pay off loan, involve in political matters, legal issues and discussions, acts of bravery, to spy. It is not good to take loan on this day.

बुधवार- प्रशिक्षण कार्य, व्यापार, अध्ययन, कला, शिल्प, क्रीड़ा, सेवा वृत्ति, व्यायाम शुरू करना, सन्धिकार्य, विवाद, आदि कार्य शुभ हैं, किन्तु बुधवार को ऋण देना अच्छा नहीं होता।

Wednesday- Good for starting training, trade, learning, arts, sports and retirement. Also good for work related to marriage and compromise. Not a good day for lending money.

बृहस्पतिवार — धर्मानिष्ठानादि कार्य, ज्ञान विज्ञान चर्चा, यज्ञ विवाह, मांगल्य, सोना सम्बन्धी गृह कार्य, वस्त्र, यात्रा, रथ आदि की सवारी वाहन आदि क्रय-विक्रय नया पद ग्रहण, नवीन वस्त्र आभूषण धारण करना, ध्यान योग शुरू करना बृहस्पतिवार को श्रेष्ठ है।

Thursday- Good day for religious activities, scientific and intellectual discourses, travel, buying and selling a vehicle, accepting or joining a new post, wearing new clothes or jewellery and starting Dhyanyog or auspicious activity.

शुक्रवार — भूमि व्यापार, स्त्री सम्बन्धी संसर्ग, शय्या, मणि सुगन्धित द्रव्यों का क्रय विक्रय, फिल्म संगीत का कार्य शुरू करना, कृषि कार्य, प्रेम व्यवहार, ऐश्वर्य कार्य, उत्सव करना शुक्रवार को शुभ होते हैं।

Friday – Good for land deals, buying bedding or jewellery of gems, starting film music or love affair or festivities

शनिवार — गृह प्रवेश व निर्माण कार्य, नौकर रखना, लोहे आदि मशीनरी कार्य शुरू करना, लोहा, पत्थर, शीशा, अस्त्र-शस्त्र धारण करना, पाप कर्म, चोरी, गवाही, विषादि कृत्य प्रशस्त होते हैं।

Saturday- Good for building or entering a new house, hiring an employee, starting work with iron, stone or glass, using arms and ammunition, giving witness and for doing any inauspicious work.

सोमवार, गुरुवार, शुक्रवार और बुधवार प्रायः सभी कार्यों में शुभ होते हैं। रविवार, मंगलवार तथा शनिवार ये वार उपरोक्त कार्यों में ही शुभ माने जाते हैं।



❁Ways to observe fasts, festivals and other important days❁

Poornima (full-Moon)- Keep a fast and worship Lord Vishnu by a recital of Narayan, and if possible, recite Vishnu-Sahasra-nam and Purush-sukta.

Satya-Narayan Fast- In the early evening, worship Lord Narayan through sixteen offerings. Recite and listen to the legends of Lord Narayan. After worship and prayers, distribute with devotion and faith sacred food (Prasad) among the gathered friends and relatives followed by a Preeti-Bhoj.

Makar-Sankranti (first day of month Magh)- Special merit is obtained by a bath either at Haridwar or Triveni. Recite mantra “Om Namoh Bhagavate Vasudevaya”. Give away balls made of sesame seeds.

Sankat Shree GaneshChaturthi- Keep a fast and worship Lord Ganesh. End the fast by offering (aargha) to the Moon at night. Offer sweet balls (Ladoos) to Lord Ganesh ji. Recite the following mantra by one rosary (Mala 108 beads) “Om Ganganptaye Namah”.

Vasant-panchami- Worship Lord Vishnu and Goddess Saraswati in the morning with the recitation of appropriate mantras and offerings.

Shree Maha-Shivratri- Keep a fast from morning, recite Lord Shiv’s name all day and keep awake all night. Offer four different worships to Lord Shiv with fruits, flowers, leaves and fruit of Bil plant. Take a bath on the following morning, offer food to Brahmans and finally end the fast. Through this fast and worship one attains Lord Shiva’s realm.

Holi- Celebrate with joy the colorful and pure festival of Holi. In the evening holika is offered to fire while praying for release from all sins and other diseases.

Chaitra Shukla prati-pada (Navratri)- This is the start of the new year and the first day of the spring Navratras (nine nights). This day is regarded as very auspicious. Worship Lord Brahma and other gods. Lord Ganesh, Mother Goddess Durga and Brahmans. After installing a ceremonial water vessel (Kalash Sthapana), engage in worships and recitals up to the day of Ram-Navami. Surely the rest of the year will bring you comfort and happiness.

Shree Durga Ashtami- Offer special worship to Mother Goddess and young maidens. Perform a Havan as an offering to Mother Durga.

ShreeRam-navami- Offer worship to Lord Ram at noon. One obtains supreme state by keeping a fast, reciting Lord Ram’s name, and by a recital of Ram-charit-manas.

Akshaya Tritiya- This day is regarded as auspicious which bestows success by itself for all actions performed that day.

Nirjala Ekadashi- Keep a fast without even sipping water. Worship Lord Vishnu and recite Vishnu sahasra naam.

Ganga Dashami- If possible, take bath in the Ganges. Otherwise bow to holy river Ganges.

Vyas (Guru)Poornima- Worship Sage Vyas-dev-jee. Pray to your Gurus and Scriptures by offering flowers, fruits and donations. Remember and bow to Bhagawan Vyas regarded as Lord Vishnu.

Raksha-bandhan- Sister should tie Rakhi on her brother's hand and offer him sweets strengthening pure relationship of a brother and sister.

Shree Krishna Janmashtami- Keep a fast as a mark of respect for Lord Krishna. Worship him according to the scriptures with the offering of butter and crystallized sugar (mishri). Celebrate the occasion with great joy, mirth and enthusiasm at midnight. Recite as many times as possible the Krishan mantras throughout the day.

“Shree Krishna Govind Hare Murare. Hey Nath Narayan Vasudev”.

“Hare Krishna Hare Krishna Krishana Krishana Harey Harey.”

Vinayak Chaturthi Vrat- Keep a fast for Lord Shree Ganesh and worship him with offerings of fruits, flowers and sweet balls (ladoos). Recite the Ganpati mantra.

Pitra Paksh (Shraddhapaksh)- Everyday during this period remember your (past) ancestors and offer them prayers. On the day of new moon (Amavasya) offer prayers to all fore fathers and ancestors.

SharadNavratri- Starting with the first of the bright fortnight in the month of Ashvin, install the ceremonial water (Kalash Sthapana) and worship Mother Goddess up to the eighth or ninth day of this fortnight. One attains intelligence, peace and comfort by worship of young maidens and by recitals of any of the following mantras with full faith and devotion to Mother Goddess “ Om Aim Hrim Klim Chamundai Vicchi” or jay Ma Jay Ma or Durga sapsati path.

Vijay Dashami- All (good) actions carried out this day are generally successful. On this auspicious day Lord Ram is worshipped, prayed and meditated upon to obtain his blessings and favour. The day Ram routed Ravan.

Karava Chauth – For the attainment of long and continuous married life filled with peace and happiness in the family, married women should keep a fast without even sipping water. They should worship Lord Ganesh, Lord Shiv and Mother Gauri with the recitals of the Shiv-Ganesh-Gauri Mantras. In the evening, they should recite the legend connected with this occasion. At the moon-rise they should end their fast after offerings to the moon, then bow to their husbands and take evening meal.

Kartik Krishan (Narak) Chaturdashi (Shree Hanuman Janam)- Celebrate this great occasion with great enthusiasm and worship shree Hanuman jee with devotion and with chanting of the Hanuman mantra. With the grace of Shree hanuman, one attains happiness in life by reciting Shree Hanuman Chalisha or any other prayer in praise of Lord Hanuman.

Hanuman Mantra:

“Om Ram Dutay Vidmahey, Vayu putray Dheemahi, Tanno Hanumn pracho dyat.”

Kartik Amavasya (Deepawali)- In the evening, worship Ganesh, Mother Mahakali-Maha Lakshmi-MahaSaraswati, Lord Kuber-Vahi-Vasna and Shree Ramchandrajee. Thereafter distribute sweets and try to light the lamp of knowledge, faith and devotion both within yourself and outside.

Pradosh Vrat-

The Pradosh of Shani, Som and Bhaum are considered more auspicious. Those desirous of salvation, worldly pleasures and good progeny should keep a fast and worship Lord Shiv including ceremonial bathing of Lord Shiv (Shiv Abhshek).

Sankranti- On the every first day of the Hindu (son) month give donations at an auspicious time as prescribed in panchang. Offer prayers to God and listen to the name of the new month pronounced by an able Brahman. Distribute consecrated food.

Ekadashi Vrat- Every Ekadashi has a separate name. Try to gain victory over eleven senses (five of action, five of perception and mind) by keeping fast with no intake of grain while engaged in worship to Lord Narayan.

Maha Shiv Ratri Vrat- This is the fast of Shiv-ratri to be observed on the fourteenth day of the dark fortnight every month. It is considered as extremely favorable if one worships Lord Shiv and recites “Om Namah Shivay.”

🔱 Lagan and Rashi Phal 🔱

卐॥ द्वादश लग्नों एवं राशियों का फल ॥卐

मेष लग्न- मेष लग्न (राशि) का स्वामी मंगल है। जातक का मध्यम कद, मुख का वर्ण लाल अथवा गेहूँआ होगा। राशिपति मंगल की स्थिति शुभ होने से रक्तवर्ण नेत्रों वाला, चंचल एवं उग्र स्वभाव, अत्यन्त साहसी, सतर्क एवं महत्वाकांक्षी होगा। जातक उद्यमी, तीव्र बुद्धि, स्वतन्त्र विचारों वाला, अस्थिर किन्तु तेज स्मरण शक्ति वाला, अत्यधिक उत्साही, स्पष्टवादी एवं भ्रमणप्रिय व्यक्ति होगा। प्रायः अपने परिश्रम के बल पर आय एवं धन के साधन जुटा लेगा। सगे सम्बन्धियों की ओर से सहायता व सुख कम होगा। यह राशि चर और अग्नि तत्त्व प्रधान होने के कारण मेष राशि (लग्न) का जातक परिवर्तनशील प्रकृति, अस्थिर स्वभाव तथा शीघ्र क्रोधित हो जाने वाला एवं शीघ्र मान जाये। व्यवसाय में अनेक कठिनाईयों के उन्नति के लिए प्रयास करता रहता है। जायदाद एवं व्यवसाय में कई प्रकार के झंझट (उलझनें) आती हैं और इन्हीं कामों के द्वारा लाभ भी होता रहता है। पित्त, कफ, सिर दर्द, रक्त विकार, नेत्र विकार, त्वचा आदि रोगों का भय रहता है। मंगल शुभ होने पर जातक को खेल-कूद व संगीतादि में भी विशेष शौक रहता है। सामान्यतः मूंगा मेष लग्न वालों के लिए शुभ रहता है, परन्तु योग्य ज्योतिषी से परामर्श के बाद धारण करना चाहिए। भाग्योदयकारक वर्ष १६, २२, २८, ३२, ३६वें होंगे।

वृष लग्न – वृष लग्न का स्वामी शुक्र है। यदि शुक्र शुभ हो तो जातक सुन्दर, सुगठित शरीर व मध्यमकद वाला होगा। गोल, बड़ी व चमकदार आँखें, सुन्दर वर्ण एवं आकर्षक व्यक्तित्व वाला होगा। जातक परिश्रमी, हँसमुख एवं सौम्य प्रकृति वाला, धीर, शान्त एवं दृढ़ स्वभाव का होता है। जातक उदारहृदय, प्रसन्नहृदय और प्रभावशाली व्यक्ति होगा। स्वावलम्बी, उच्चाभिलाषी तथा भौतिक सुखों के लिए कठोर परिश्रम से भी पीछे नहीं हटेगा। जातक मधुरभाषी, सौन्दर्य प्रेमी, संगीत कला-साहित्यादि कार्यों में विशेष रुचि रखने वाला होगा। घर-दफ्तर आदि स्थानों पर सजावट रखेगा तथा ऐश्वर्य साधनों में निरन्तर वृद्धि करते रहने का प्रयास करेगा। जातक प्रायः अपनी इच्छानुसार ही कार्य करने वाला, ऐश्वर्ययुक्त जीवनयापन का इच्छुक, विपरीत योनि वालों के साथ मैत्री करने का आकांक्षी, व्यवहार कुशल तथा कठिन परिस्थितियों में भी अपना कार्य निकालने में कुशल होगा। जातक प्रायः चन्द्र-बुध की स्थिति शुभ होने पर कामर्स, गणित, बैंकिंग, एक्टिंग, वस्त्र एद्योग, क्रय-विक्रय आदि में सफलता प्राप्त कर लेता है। शुभ रत्न हीरा है। भाग्योदयकारक वर्ष २८, ३६, ४२, एवं ४८वें होंगे।

मिथुन लग्न- मिथुन लग्न का स्वामी बुध है। मिथुन लग्न वाला जातक, गौरवर्ण, चंचल आँखों वाला, सामान्य एवं ऊँचे कदवाला होगा। जातक अस्थिर किन्तु मौलिक विचारों से युक्त, तीव्र बुद्धि, परिवर्तनशील प्रकृति, मित्रों को हर प्रकार से सहायक तथा नीति के अनुसार आचरण करने वाला तर्क-वितर्क करने में कुशल, दूर-दूर के स्थानों की यात्राएँ करने का सौभाग्य प्राप्त करेगा। जातक में बुद्धि तत्त्व एवं भाव तत्त्व दोनों प्रबल होने के कारण पठन-पाठन, कानूनी कार्य, व्यापार सम्बन्धी और लेखन सम्बन्धी कार्यों को बड़ी गम्भीरता से करेगा, मजबूत हृदय वाला परन्तु नर्म स्वभाव होने के कारण कमजोर समझा जाता है। द्विस्वभाव होने से एक ही समय पर एक से अधिक कार्य शुरू करने की प्रवृत्ति रहेगी, अपने कार्य-क्षेत्र (व्यवसाय) में प्रायः परिवर्तन करता रहता है तथा प्रायः अपने परिश्रम, बुद्धि एवं चातुर्य के बल पर जीवन में सफलता प्राप्त कर लेगा। नए-नए मित्र बनाने में कुशल, बातचीत करने की कला में निपुण होगा। क्रय-विक्रय, पुस्तक-लेखन, लेखाकर, बैंक, वकालत, अध्यापन, इंजीनियरिंग, कल-पुर्जे के कार्य-व्यवसाय में सफलता प्राप्त हो सकती है। शुभ रत्न पन्ना है, स्त्रियों के लिए पुखराज भी अच्छा होगा। भाग्योदयकारक वर्ष २२, ३२, ३५, ३६, ४२, ४२ वें होंगे।

कर्क लग्न- कर्क लग्न का स्वामी चन्द्रमा है। जल तत्व प्रधान एवं चर राशि होने से जातक सुन्दर एवं आकर्षक मुखाकृति, गोल चेहरा और मध्यम कद होगा। चन्द्र-मंगल शुभ हो तो जातक बुद्धिमान, संवेदनाशील, भावुकहृदय, न्यायप्रिय व दयालु स्वभाव वाला होगा। सामान्यतः, परिवर्तनशील स्वभाव, चंचल, जलीय वस्तुओं का प्रिय, उच्च कल्पनाशील, समयानुकूल काम निकालने में कुशल, मिलनसार प्रकृति होगी। यदि चन्द्रमा अशुभ हो तो चिड़चिड़ा स्वभाव, वातावरण से शीघ्र प्रभावित होने वाला होगा। प्राकृतिक सौन्दर्य, कला-संगीत व साहित्य में विशेष रुचि रखे तथा सौन्दर्यानुभूति भी विशेष रूप से रहे। ऐसा जातक परिस्थितिनुसार ढल जाने वाला, प्यार सम्बन्धों में सच्चा, ईमानदार और सहृदय दयालु प्रकृति का होगा। ऐसा जातक दिल से जिस काम को करना चाहे कर ही लेता है। कल्पना शक्ति प्रबल होती है, अन्य पुरुष के भावों को शीघ्र समझ लेने की विशेष क्षमता होती है। कर्क राशि वालों को मकर, वृश्चिक, मीन राशि वालों के साथ मित्रता शुभ रहती है। शुभ नग सफेद मोती तथा सफेद पुखराज है। भाग्योदयकारक वर्ष २४, २५, २८, ३२, ३६, ४० होंगे।

सिंह लग्न- सिंह लग्न का स्वामी सूर्य है। इस लग्न में जन्म लेने वाला जातक सुन्दर-पुष्ट शरीर वाला, चौड़ा मस्तक, सुगठित, आकर्षक एवं प्रभावशाली व्यक्तित्व वाला होगा। जातक बुद्धिमान, उद्यमी, कर्मठ, निडर, स्वतन्त्र विचारों वाला, पराक्रमी, व्यवहार कुशल, नीति के अनुसार आचरण करने वाला, उच्चाकांक्षी, खानपान का शौकीन देश-विदेश में भ्रमण करने वाला, शीघ्र क्रुद्ध हो जाने की प्रकृति होने पर भी अपने बुद्धि-चातुर्य से स्थिति को सम्भाल लेने वाला होगा। छोटी-छोटी एवं मामूली बातों को उपेक्षा की दृष्टि से देखने वाला होगा तथा बड़े-बड़े कामों को भी अपने उद्यम द्वारा पूरा करने से तत्पर हो जाएगा। भाई-बन्धु होने पर भी उनका सुख कम रहता है। उच्चाभिलाषी होने के कारण प्रत्येक कार्य व्यवसाय को बड़े पैमाने एवं उच्चतर पर करना पसन्द करेगा। उच्चस्तरीय, वैभवशाली एवं रईसी जीवन-यापन करने की प्रबल इच्छा रखेंगे जिसके कारण अपनी सीमा से बढ़कर भी खर्च कर डालते हैं। इस लग्न वाले जातक का बाह्य रूप में आकर्षक रूप एवं अच्छा स्वास्थ्य रहता है। शुभ रत्न माणिक्य है। सिंह लग्न वालों को सूर्य उपासना करनी चाहिए। भाग्योन्नति वर्ष १६, २२, २४, २६, २८, ३२ होते हैं।

कन्या लग्न- कन्या लग्न वाले जातक का मध्यम कद, कोमल शरीर सुन्दर व आकर्षक आँखें, लम्बी नाक, वाणी तेज और बारीक होगी। जातक प्रियभाषी, हर कार्य में सहायक, लज्जाशील प्रकृति, नर्म स्वभाव और नीति के अनुकूल काम करने वाला होगा। कल्पनाशील, सूक्ष्मदर्शी, एवं संवेदनशील स्वभाव होगा। शान्तचित्त एवं एकान्तप्रिय प्रवृत्ति होगी। परन्तु कठिन एवं विपरीत परिस्थितियों में भी स्वयं को ढालने का सामर्थ्य होगा। एक ही समय पर अनेक यात्राएँ एवं विषयों में पारंगत होने की चेष्टा करेगा। संगीत, कला एवं साहित्य की ओर विशेष दिलचस्पी रखेगा। द्विस्वभाव एवं परिवर्तनशील प्रकृति होने के कारण एक विषय पर चिरकाल तक स्थिर नहीं हो पाता। बुध-शुक्र का शुभ योग होने से लेखा-गणित, संगीत, कला, अध्यापन, लेखन, क्रय-विक्रय आदि की ओर विशेष झुकाव रहेगा तथा सफलता भी होगी। धन की अपेक्षा बौद्धिक कार्यों में विशेष रुचि रहती है। बुद्धिमान, तीव्र स्मरणशक्ति एवं अध्ययनशील प्रकृति होगी। शुभ रत्न पन्ना है। भाग्योन्नतिकारक वर्ष २५, ३२, तथा ३५, ३६, ४२ वर्ष होते हैं।

तुला लग्न- तुला लग्न का स्वामी शुक्र है। तुला लग्न में उत्तपन्न जातक श्वेत व सुन्दर वर्ण, मध्यम अथवा लम्बा कद, सौम्य एवं हंसमुख प्रकृति होगी। जातक / जातिका न्यायप्रिय, हंसमुख, व्यवहारशील एवं नीति के अनुसार कार्य करने में कुशल होगा। ईमानदार, मिलनसार, नए-नए मित्र बनाने में कुशल होगा। सौंदर्यानुभूति विशेष होगी, संगीत, कला, नाट्य की ओर विशेष झुकाव होगा। रहन-सहन का ढंग रईसी एवं प्रभावपूर्ण होगा। जातक पर संगीत का प्रभाव जल्दी होगा। चन्द्र-शुक्र शुभ हों, तो मानसिक एवं कल्पनाशक्ति प्रबल होगी, परन्तु मन की केन्द्रिय शक्ति बहुत देर तक नहीं रहती। जब तक किसी कार्य में लगा रहे तब तक दिलोजान और मजबूत दिल से करे, परन्तु अपने विचार व योजना में परिवर्तन करने में भी शीघ्र तैयार हो जायेगा। जातक को देश-विदेशों में अनेक स्थानों पर भ्रमण करने के भी अवसर प्राप्त होते हैं। बुद्धिमान, तर्कशील, सावधान एवं सतर्क रहने वाला, मध्यस्थता एवं न्याय करने में कुशल, विपरीत योनी के प्रति विशेष झुकाव रखे। इनको हीरा अथवा श्वेत मोती शुभ रत्न है। जोकि किसीसुयोग्य ज्योतिषी के परामर्शानुसार धारण करने चाहिए। जीवन के २५, २७, ३२, ३३, ३५ एवं ४७ वें वर्ष भाग्य वृद्धिकारक होंगे।

वृषिक लग्न - वृषिक लग्न (राशि) का स्वामी मंगल है। इस लग्न में उत्पन्न जातक सुन्दर मुख वाला, परिश्रमी, अपनों सामर्थ्य पर ही भरोशा करने वाला, धार्मिक प्रवृत्ति होगी। मंगल शुभ हो तो उत्साही, उदार, परिश्रमी, साहसी, ईमानदार, स्पष्टवादी, परोपकारी, व्यवहारकुशल, कर्तव्यनिष्ठ, दृढ संकल्प शक्ति वाला होगा। भाई बहनों अथवा सम्बन्धियों की सहायता कम मिलती है, निजी पुरुषार्थ द्वारा ही निर्वाह योग्य आय के संसाधन जुटा पाते हैं। तनिक विरुद्ध बात हो जानें पर शीघ्र उत्तेजित हो जाएंगे, परन्तु सच्चाई अथवा सुपात्र की दृष्टि से सुयोग्य जन की सहायता करने में अपनैँ स्वार्थ की भी बलि देने से पीछे नहीं हटेंगे। जातक जिस कार्य को करने का निश्चय कर लेता है, उसे दृढतापूर्वक पालन करने का प्रयास करता है। कैमिष्ट, इंजिनियर, वकील, पुलिस, सेनाविभाग, अध्यापन, ज्योतिष, अनुसंधानकर्ता, के क्षेत्र में विशेष सफलता प्राप्त करेंगे। शुभ रत्न मूंगा है। शुभ रंग लाल, संतरी, पीला हल्का गुलाबी है। अपनी आयु के २४, २८, ३२, ३६, ४४वें वर्ष विशेष भाग्योन्नतिकारक होंगे।

धनु लग्न - धनु लग्न का स्वामी गुरु है। इस लग्न में उत्पन्न जातक का ऊँचा मस्तक, कान बड़े, लग्न भाव में क्रूर ग्रह होने की स्थिति में सिर में अल्पबाल अथवा गंजा हो सकता है। गुरु-बुध की स्थिति शुभ हो तो सौम्य एवं शान्त, सरल स्वभाव, धार्मिक प्रवृत्ति, उदार हृदय, परोपकारी, संवेदनशील, करुणा-दया आदि भावनाओं से युक्त होगा। दूसरों के मनोभावों को जान लेने की विशेष क्षमता होगी, इस लग्न से प्रभावित व्यक्ति में बौद्धिक एवं मानसिक शक्ति की प्रबलता के साथ-साथ अश्व जैसी तीव्रता, उत्साह एवं उत्तेजना से कार्य करने की क्षमता होगी। द्विस्वभाव राशि के कारण शीघ्र कोई निर्णय नहीं ले पाएँ और इनको क्रोध जल्दी नहीं आता, परन्तु जब आता है तो देर तक क्रोधित रहते हैं। अग्नि तत्त्व प्रधान होने के कारण कठिन से कठिन समस्याओं को अपनैँ सब्र, साहस एवं परिश्रम के द्वारा सुलझा लेंगे तथा निजी पुरुषार्थ द्वारा जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति करने वाला, धन, सम्पदा, भूमि-जायदाद व सवारी आदि सुखों को प्राप्त करने में सफल होगा। मंगल-गुरु शुभ हो तो उच्च व्यावसायिक विद्या के योग हैं। शिक्षक, धर्म-प्रचारक, राजनीति, वैद्य-डाक्टर, वकील, पुस्तक व्यवसाय आदि के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। शुभ रत्न पुखराज है। अपनी आयु के २३, २७, ३२, ३६वें वर्ष विशेष भाग्योन्नति कारक होंगे।

मकर लग्न - मकर लग्न (राशि) का स्वामी शनि है। इस लग्न (राशि) में जन्म लेने वाले जातक का मध्यम कद, नयन नक्श तीखे, सुन्दर मुखाकृति, काले घने बाल एवं पतली कमर वाला होगा। जातक गम्भीर, भावुक हृदय, संवेदनशील, उच्चाभिलाषी, सेवाधर्मी, मननशील, एवं धार्मिक प्रवृत्ति वाला होगा। बुध व शुक्र शुभ होने पर व्यवहार-कुशल, गहन विचार एवं सूक्ष्म विश्लेषण के पश्चात् ही महत्त्व पूर्ण निर्णय लेते हैं। क्षमाशील प्रायः कम होते हैं तथा इन्हें बदले एवं शत्रुता की भावना भुला पाना अत्यन्त कठिन होता है। चर राशि एवं लग्न होने से जातक की मानसिक एवं आत्मिक शक्ति प्रबल होगी। गुरु-शनि शुभ हो तो, जातक नर्म स्वभाव, विनयशील, व्यवहार-कुशल, नीति के अनुकूल आचरण करने वाला, तर्क शील, भली-बुरी बात की पहचान करने में कुशल, विश्वसनीय, मित्रता स्थापित करने में तथा इमानदार होंगे। तर्क - वितर्क करने में कुशल, अपनैँ विरुद्ध बात को हृदय से भुला पाना कठिन होता है। खांसी तथा वायु रोग से सावधानी बरतें। शुभ रत्न नीलम है। भाग्योन्नति वर्ष २२, २४, २८, एवं ३२, ४६ होते हैं।

कुम्भ लग्न - लग्नेश (राशिपति) शनि शुभ अवस्था में हो तो जातक मध्यम अथवा ऊँचे कद वाला, सुन्दर प्रभावशाली व्यक्तित्व होगा। बुद्धिमान, साधन सम्पन्न, तीव्र स्मरण शक्ति एवं गम्भीर प्रकृति वाला होगा। दूसरों के प्रति दयाभाव रखने वाला परोपकारी मित्रों एवं सगे सम्बन्धियों के लिए हर प्रकार से सहायक होगा। व्यवहार कुशल, मिलनसार, स्पष्टवादी एवं निस्वार्थ भाव से सेवा करने में तत्पर होगा। जातक स्वाभिमानी, स्वतन्त्रताप्रिय एवं नए-नए मित्र बनाने में भी पीछे नहीं हटेगा। उद्योगी, उद्यमी, परिश्रमी प्रकृति एवं प्रबन्धत्मक योग्यता विशेष होगी एवं उपयुक्त साधन उपलब्ध होने पर देश-विदेशों में जाने के सुअवसर प्राप्त होंगे। महत्त्वकांक्षी होते हुए भी क्रियात्मक दृष्टिकोण रखेंगे तथा अनेक विघ्न-बाधाओं व कठिनाइयों के होने पर भी जीवन में उच्च स्थिति, धन पदादि प्राप्त करने में सफल होंगे। कुम्भ लग्न में यदि गुरु मित्र क्षेत्री या शुभ में हो तो जातक उच्चाधिकारी, उत्तपदासीन, क्रय-विक्रय, प्रोफेसर, जज-वकील अथवा उच्च एवं धनी-व्यापारी होगा, प्रारम्भिक जीवन में आर्थिक क्षेत्र में विशेष संघर्ष व कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। शुभ रत्न नीलम है। स्त्रियों के लिए पुखराज नग शुभ होगा।

मीन लग्न – मीन लग्न (राशि) का स्वामी गुरु है। मीन लग्न में उत्पन्न जातक बुद्धिमान, गम्भीर एवं सौम्य प्रकृति, परोपकारी कार्य करने में तत्पर, ईमानदार, सत्यप्रिय, धार्मिक, धर्म-कर्म एवं फिलार्स्फी, साहित्य एवं गूढ़ विद्याओं की ओर विशेष अभिरूचि रखेगा। उच्चाभिलाषी, उच्चकांक्षी एवं स्वाभिमानी प्रकृति, अपनी मान-मर्यादा एवं प्रतिष्ठा का विशेष ध्यान रखें। सेवाभाव रखने वाला, तीव्र बुद्धि, परिश्रमी, उद्यमी, दूरदर्शी, व्यवहार कुशल एवं नीति के अनुसार आचरण करने वाला, विश्वसनीय, ईमानदार तथा हर प्रकार से मित्रों एवं सगे-सम्बन्धियों के लिए सहायक होगा। पर न तो अन्याय करेंगे न ही किसी भांति अन्याय को सहन करेंगे। जातक कलाकार, चल-चित्र, व्यवसाय, खाने-पीने की वस्तुओं से सम्बन्धित, समाज सुधारक, अध्यापन सम्बन्धी कार्यों में सफल होते हैं। शुभ रत्न पुखराज है। शुभ वैवाहिक जीवन के लिए पत्रा रत्न धारण करें। भाग्योन्नति कारक वर्ष २४, २८, ३३, ३८, ४५ वर्ष होते हैं।

ॐ अच्युतं केशवं रामनारायणं, कृष्णदामोदरं वासुदेवं हरिम् । श्री धरं माधवं गोपिका वल्लभं, जानकीनायकं रामचन्द्रं भजे ॥ ॐ
Achutam Keshvam Ramnaraynam, Krishnadamodaram Vasudevam Harim |
Shridharam Madhavam Gopikavallabham, Jankinayakam Ramchandram Bhaje ||

॥ अथ सप्तश्लोकी दुर्गा स्तोत्रम् ॥

SAPTA SHLOKI DURGA STOTRAM

This Sapta Shloki Durga Stotram is in Sanskrit and was recited to Bhagwan Shiva by Durga Mata herself. The Durga Saptashloki Stotram, is an alternate prayer for Durga Saptashati or Chandi Path stotram which is revered as the most important text during Navratri Durga Puja.

One day Lord Shiva asked Durga to tell him what his devotees should do to achieve success in their endeavor easily and without any troubles? Durga Mata gave him the secret of the Durga Sapta Shloki saying that by reciting these 7 slokas with faith, devotion and concentration they will receive all her blessings and will be successful in their every endeavor. Besides they will receive wealth, health, good memory, knowledge, success, good family life and victory. All their troubles, fear, sorrow and poverty will be removed from their life.

Gnaninamapi chetamsi devi bhagawatee hi sa
Baladaa krushya mohaya mahamayaa prayachchathi ||1||

Durgesmrita harasi bethima shesha jantho
Swasthai smrita mati mateeva shubhaam dadasi
Daridrya dukha bhaya harini ka thwadanya
Sarvopakara karanaya sadarthra chittha ||2||

Sarva mangala mangalye shive sarvartha sadhike
Saranye thriyambake gauri narayani namosthutte ||3||

Saranagata deenarta paritrana parayane
Sarvasyarti hare devi narayani namostute ||4||

Sarvaswarupe sarveshe sarva shakti samanvite
Bhaye bhyastrahi no devi durgedevi namostute ||5||

Rogaana sesha napahamsi tushta
rushta thu kaamaan sakalana bheestan
Thwama shrithanam navipanna raanaam
twama shritahya shrayatam prayanti ||6||

Sarvabhadaa prashamanam thrailokyasya akhileshwari
Evameva thwaya karyam asmad vairi vinashanam ||7||

॥ श्री नवग्रहस्तोत्रम् ॥

|| SHRI NAVAGRHAHOTRAM ||

जपाकुसुम संकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम् । तमोऽरिसर्व पापघ्नं प्रणतोऽभि दिवाकरम् ॥ १ ॥

Japaakusuma sankasham , Kashyapeyam mhadyutim |

Tamorim sarvapaapaghnam Pranato - smi Divaakaram ||9||

I pray to the Sun, the Ray-maker, destroyer of all sins, the enemy of darkness, of great, brilliance, the descendent of Kaashyapa, the one who shines like the japaa flower.

दधिशङ्खद्भ्रतुषाराभं क्षीरोदारणवसम्भवम् । नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुट भूषणम् ॥ २ ॥

Dadhi sankha tushaaraabham Kshiirodaarnavasambhavam |

Namaami shashinam somam Shambhormukuta bhushanam ||२||

I pray to the Moon who shines coolly like curds or a white shell, who arose from the ocean of milk, who has a hare on him, Soma, who is the ornament of Shiva's hair.

धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम् । कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलम् प्रणमाम्यहम् ॥ ३ ॥

Dharaneegarbhambhutam Vidyut kaanti samaprabham |

Kumaaram shaktihastam tam Mangalam pranamaamyaham ||३||

I pray to Mars, born of Earth, who shines with the same brilliance as lightning, the young man who carries a spear.

प्रियङ्गुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमंबुधम् । सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम् ॥ ४ ॥

Priyangukalkikashyaamam Ruupenaa- pratimam budham |

Saumyam saumyamgunopetam Tam budham pranamaamyaham ||४||

I pray to Mercury, dark like the bud of millet, of unequalled beauty, gentle and agreeable.

देवानां च ऋषीणां च गुरुं काञ्चनसंनिभं । बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम् ॥ ५ ॥

Devaanam cha rishinaan cha Gurum kaancana sannibham |

Buddhi bhutam trilokesham Tam namaami brihaaspatim ||५||

I pray to Jupiter, the teacher of Gods and rishis, intellect incarnate, lord of the three worlds.

हिमकुन्द मृणालाभं दैत्यानाम् परमं गुरुम् । सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम् ॥६॥

Hima kunda mrinalabham Daityaanaam paramam gurum |

Sarvashastra pravaktaaram Bhaargavam pranamaamyaham ||६||

I pray to Venus, the ultimate preceptor of demons, promulgator of all learning, he who shines like the fiber of snow- white jasmine.

नीलाञ्जन समाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् । छायामार्तण्ड सम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम् ॥७॥

Neelanjan samaabhaasam Raviputram yamaagrajam |

Chaayaamaartandasambhuutam Tam namaami shanaishacharam ||७||

I pray to Saturn, the slow moving, born of shade and Sun, the elder brother of Yama, the offspring of Sun, he who has the appearance of black collyrium.

अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्य विमर्दनम् । सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम् ॥८॥

Arddakaayam mahaaviiryam Candraadityavimardanam |

Singhikaagarbha sambhuutam Tam Raahum pranamaamyaham ||८||

I pray to Rahu, having half a body, of great bravery, the eclipser of the Moon and the Sun, born of Simhikaa.

पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम् । रौद्रं रौद्रात्मकम् घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम् ॥९०॥

Palaasha pushpa sankasham Taaraka graha mastakam |

Raudram raudraatamakam ghoram Tam ketum pranamaamyaham ||९०||

I pray to Ketu, who has the appearance of Palaasha flower, the head of stars and planets, fierce and terrifying.

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत् सुसमाहितः । दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति ॥९०॥

Iti Vyaasmukhod geetam Yah pateth susamaahitah |

Divaya yadi va ratrau Vighnashantirbhavishyati || 90 ||

Those who read the song sung by Vyasa, will be joyous, sovereign and powerful, and will succeed in appeasing obstacles, occurring by day or by night.

नरनारीनृपाणां च भवेद्दुःस्वप्ननाशनम् । ऐश्वर्यमत्तुलं तेषामारोग्यं पुष्टिवर्धनम् ॥९१॥

Narnarinipanam cha Bhavetadukh swapna nashanam |

Aishwaryamatulam tesham Aarogyam pushtivardhanam ||91||

Bad dreams of men, women and kings alike will be destroyed and they will be endowed with unparalleled riches, good health and enhancing nourishment.

॥ महर्षि व्यासविरचितं नवग्रहस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥



महामृत्युञ्जय मन्त्र- ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिम् पुष्टिवर्धनम् । उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्

Mahamrutunjay Mantra- Om Tryambakam Yajamahe Sugandhim Pushti varddhanam, Urvaruka miva Bandhanan Mrutyor muksiya Mamrutat.

ॐ ॥ शिव पञ्चाक्षर स्तोत्र ॥ ॐ ॥ Shiv Panchakshar Stotr ॥ ॐ

नागेन्द्रहाराय त्रिलोचनाय भस्माङ्गरागाय महेश्वराय ।

नित्याय शुद्धाय दिगम्बराय तस्मै 'न' काराय नमः शिवाय ॥

Nagendraharay Trilochnay Bhasmangragay Maheshvray ।

Nityay Shudhay Digambray Tasmai 'Na' Karay Namah Shivay ॥

Salutations to the ashes-clad, three-eyed Lord, embodied as the first latter Na, who is pure, nude eternal and whose is the lord of serpents.

मन्दाकिनी सलिल चन्दन चर्चिताय नन्दीश्वर प्रमथ नाथ महेश्वराय ।

मन्दार पुष्प बहु पुष्प सु पूजिताय तस्मै 'म' काराय नमः शिवाय ॥

Mandakini Salila Chandan Charchitay Nandishvr Pramath Nath Mahesvaray ।

Mandar Pushp Bahu pushp Su Pujitay Tasmai 'Ma' karay Namah Shivay ॥

I bow to Him, embodied as makara, who is adorned with innumerable divine flowers as mandar and the like, who is the Sovereign king of the Pramatha Ganas and whose body is anointed with the holy waters of the celestial Ganga.

शिवाय गौरी वदनाब्जविन्द – सूर्याय दक्षाध्वर नाशकाय ।

श्री नीलकण्ठाय वृषध्वजाय तस्मै 'शि' काराय नमः शिवाय ॥

Shivay Gauri Badnabjavind Suryay Dkashadhvar nashkay ।

Shri Neelkanthay Vrikhdhvjay Tasmai 'Shi' karay Namah Shivay ॥

To the blue necked Lord, embodied as letter Si, the destroyer of Daksha's sacrifice and the resplendent Sun of Gauri's lotus-face, whose banner bears the emblem of bull, may our salutations be.

वसिष्ठ कुम्भोद्भव गौतमार्य- मुनीन्द्र देवार्चित शेखराय ।

चन्द्रार्क वैश्वानर लोचनाय तस्मै 'व' काराय नमः शिवाय ॥

Vasisth Kumbhodbhav Gautamay Munindra Devarchit Shekhray ।

Chandrark Vaisvanar Lochnay tasmai 'Va' karay Namah Shivay ॥

I prostrate before the god of gods, embodied as Vakara, whose eyes are sun, moon and the fire and whom the gods and the great sages like Vasishtha, Agastya and Gautama, ever pray and worship.

यक्ष स्वरूपाय जटाधराय पिनाक हस्ताय सनातनाय ।

दिव्याय देवाय दिगम्बराय तस्मै 'य' काराय नमः शिवाय ॥

Yaksha Svarupay jatadharay Pinak Hastay Sanatnay ।

Divyay Devay Digambaray Tasmai 'Ya' karay Namah Shivay ॥

Prostrations to the ancient naked God, embodied as the letter Ya, the Yaksha incarnate whose hairs are long and who holds Pinaka in His hand.

पञ्चाक्षरं इदं पुण्यं यः पठेत् शिव सन्निधौ । शिवलोकम् वाप्नोति शिवेन सहः मोदते ॥

Panchakshar Idam punayam Yah Pathet Shiv Sannidau ।

Shivalokam vapnoti Shiven Saha Modate ॥

Whoever repeats this prayer, composed with the five holy letters before Lord Shiv, attains that supreme abode of His and enjoys there with Him in eternal bliss.

॥ श्री मत् शंकराचार्य विरचितं शिवपञ्चाक्षर स्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

॥ करवा चौथ व्रत कथा ॥

मान्धाता कहने लगे कि जिस समय अर्जुन, इन्द्र नील गिरी पर तप के लिए चले गये तो उनके पीछे द्रौपदी दुखी: मन होकर चिन्ता करने लगी कि अर्जुन ने बड़े कठिन तपकर्म को प्रारम्भ कर दिया है, किन्तु इस काम में विघ्न डालने वाले शत्रु अनेक हैं। इस प्रकार चिन्ता करके श्री कृष्ण जी से सब विघ्नों के नाश करने का उपाय पूछने लगी। द्रौपदी ने कहा कि हे सर्व जगत के नाथ! आप मुझे कोई ऐसा व्रत बताने की कृपा करें, जिसके करने से सभी विघ्न नाश हो जायें। श्री कृष्णजी ने कहा कि हे द्रौपदी। शिव जी ने जो व्रत श्री पार्वती जी से कहा था! वही करक चतुर्थी नाम का व्रत मैं तुमसे कहता हूँ, तुम ध्यान पूर्वक सुनो, जो सब प्रकार के विघ्नों को नाश करने वाला है। श्री पार्वती जी ने कहा कि भगवान्! यह करक चतुर्थी का व्रत किस प्रकार का है तथा उसका विधान क्या है और पहले भी उस व्रत को किसी ने किया है? शंकर जी बोले कि पार्वती जी अनेक प्रकार के रत्नों से शोभायमान, चांदी और सोने के भवनों से भरे, विद्वान पुरुषों से सुसेवित, लोकों को वश में करने वाली दिव्य स्त्रियों से शोभायमान जहां पर सदैव ही वेद ध्वनि होती है ऐसे स्वर्ग से भी मनोहर, परम रमणीय इन्द्रप्रस्थपुर (दिल्ली) में एक वेद शर्मा नामक ज्ञानी ब्राह्मण रहता था, उसकी पत्नी का नाम लीलावती था। उसके महापराक्रमी सात पुत्र और सम्पूर्ण लक्ष्णों से युक्त वीरावती नाम की एक कन्या उत्पन्न हुई। उसकी आखें नील कमल के समान और मुख चन्द्रमा के समान था। उसके विवाह के योग्य समय आ जाने पर वेद शर्मा ने एक वेद शास्त्र के ज्ञाता विद्वान ब्राह्मण को विवाह विधि से पुत्री वीरावती का विवाह कर दिया। इसके पश्चात् वीरावती ने अपनी भाभियों के साथ करवा चौथ का व्रत किया, फिर कार्तिक कृष्ण चतुर्थी के दिन व्रतोपवास कर सायंकाल में स्नान करके भक्ति भाव से वट वृक्ष का चित्र बनाकर, उसके नीचे शंकर जी, गणेश जी और स्वामी कार्तिकेय के साथ पार्वती जी का चित्र बनाया और ॐ नमः शिवाय इस मंत्र से गंध, पुष्प और अक्षतादि से गौरी का पूजन किया। फिर शिव जी, गणेश जी तथा षडानन का अलग-अलग पूजन करती हुई पकवान अक्षत तथा दीपक से युक्त दस करवा और गेहूँ के पिशान और गुड़ के बने हुए पकवान तथा और अनेक प्रकार के फलादि भोज्य पदार्थों को अर्पण करके, अर्घ्य देने के लिए चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करने लगी। इसी बीच में वीरावती भूख-प्यास की पीड़ा से मूर्छित होकर पृथ्वी पर गिर पड़ी। तब उसके सब भाई-बांधव रोने लगे। फिर वीरावती का मुख धोकर पंखे से हवा करके उसको दाढ़स बंधाने लगे कि अब चन्द्रमा उदय होने ही वाला है। उसका एक भाई चिन्ता युक्त होकर एक महान् वट वृक्ष पर चढ़ गया। बहिन के प्रेम से दुःखी उसके भाई ने जलती हुई मसाल लेकर चन्द्रमा के उदय होने का बहाना करके दिखाया। वीरावती ने चन्द्रमा का उदय जानकर, दुःख का त्याग करके विधि-विधान से अर्घ्य देकर भोजन कर लिया। इस प्रकार व्रत के दूषित हो जाने के कारण उसका पति मर गया। तब वीरावती ने अपने पति को मरा हुआ देखकर शिवजी का पूजन करते हुए, एक वर्ष तक निराहार व्रत किया। वर्ष के समाप्त होने पर, करक चतुर्थी का व्रत उसकी भौजाइयों ने किया और वीरावती ने भी पूर्वोक्त विधान से व्रत किया। उसी दिन देव कन्याओं के साथ इन्द्राणी वहाँ करक चतुर्थी का व्रत करने के लिए स्वर्गलोक से वीरावती के पास चली आई। तब वीरावती से इन्द्राणी ने उसके दुःख: की सब बातें पूछीं। वीरावती ने कहा कि जब मैं करक चतुर्थी का व्रत करके अपने पति के घर पर आई तो मेरा पति मृत्यु को प्राप्त हो गया। मैं नहीं जानती कि किस पाप के कर्म से मुझको यह फल मिला। हे माहेश्वरी! हमारे भाग्य से आप यहाँ आ गई हैं सो मेरे पति को जीवित करके मुझ पर कृपा कीजिये। इन्द्राणी ने कहा कि हे वीरावती! गत वर्ष जो तुमने अपने पति के घर में करक चतुर्थी का व्रत किया था तो बिना चन्द्रमा के उदय हुए ही तुमने व्यर्थ अर्घ्य दे दिया इसी से तुम्हारा करक चतुर्थी का व्रत दूषित हो गया और तुम्हारा पति मृत्यु को प्राप्त हो गया अब तुम भक्ति के साथ इस करक चतुर्थी का व्रत करो तत्पश्चात् इस व्रत के प्रभाव से मैं तुम्हारे पति को जीवित कर दूंगी। श्री कृष्ण कहने लगे कि हे द्रौपदी! इन्द्राणी के वचन को सुनकर वीरावती ने विधान पूर्वक व्रत को किया। इस प्रकार उसके करक चतुर्थी व्रत करने से इन्द्राणी ने प्रसन्न होकर जल को अभिसिंचन कर उसके पति को जीवित कर दिया। वह देवता के समान सुन्दर हो गया। इसके पश्चात् वीरावती अपने पति के साथ घर आकर आनन्द से रहने लगी। वीरावती के व्रत के प्रभाव से उसका पति धन-धान्य, पुत्र तथा आयु को प्राप्त हुआ, इसलिये तुम भी इस व्रत को यत्न पूर्वक करो। इस प्रकार श्री कृष्ण के वचनों को सुन कर द्रौपदी ने इस करवा चौथ के व्रत को किया जिसके प्रभाव से संग्राम में कौरवों को जीत कर अर्जुन ने अतुलनीय राज्य को प्राप्त किया जिससे उनका सब दुःख जाता रहा।

जो सौभाग्यवती स्त्रियाँ, इस करक चतुर्थी का व्रत करके सायंकाल विधि से पूजन करेंगी वे अचल सौभाग्य, धन, पुत्र तथा बड़े भारी फल को प्राप्त करेंगी। करक चीनी के बने हुए करवे ब्राह्मण को दान दें और कहें कि हे! गणेश जी इस करक के दान से मेरे पति बहुत काल तक जीवित रहें, मेरा सौभाग्य सदा बना रहे। सुहागिन स्त्रियों को भी देवें और आपस में थाली बाटें। इस प्रकार से सौभाग्य की इच्छा करने वाली स्त्रियाँ जो भी इसे करेंगी वे सौभाग्य, पुत्र तथा अचल लक्ष्मी को प्राप्त करेंगी।

ॐ ॥ इति श्री वामन पुराणान्तर्गत करक चतुर्थी का व्रत कथा समाप्त ॥

गायत्री मन्त्र — ॐ भू भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं । भर्गो देवस्य धीमहि, धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

Gayatri Mantra-

Om bhur bhuvah svah, tat savitur varenyam,

Bhargo devasya dhimahi dhiyo yo nah praco dayat.

Meaning: We meditate on that God's Glory who has created the universe, who is fit to be worshipped, who is the embodiment of knowledge and light, who is the remover of all sins and ignorance. May He enlighten our intellects.

एक दृष्टि में सन् २०२३-२४ ई० में संक्रान्ति, एकादशी, प्रदोष, सत्यनारायण, ग. चतुर्थी, अमावस्या, पर्व							
An overview of Fast & Festivals 2023-2024							
Month 2023-24	मास २०२३-२४	संक्रान्ति Sankranti	एकादशी व्रत Ekadashi Vrat	प्रदोष व्रत Prad osh	सत्यनारायण व्रत Satyanaray an Vrat	गणेश चतुर्थी Ganesh Chaturthi	अमावस्या Amavasya
January	जनवरी	१४ (माघ) 14 Maagh	2,31	19	5,6	10	21
February	फरवरी	१२ फाल्गुन 12 Falgun	16	2,17	4,5	9	19
March	मार्च	१४ चैत्र 14 Chaitra	2,17	4,19	6, 7	10	21
April	अप्रैल	१४ वैशाख 14 Vaishakh	1,16	3,17	5	9	19
May	मई	१४ ज्येष्ठ 14 Jyeshth	1,15	2,16	4,5	8	19
June	जून	१५ आषाढ़ 15 Aashadh	13,29	1,15	3	6	17
July	जुलाई	१६ श्रावण 16 Shravan	13,28	14,30	2,3	5	16.17
August	अगस्त	१७ भाद्र 17 Bhadra	11,27	13,28	1,30	4	15
September	सितम्बर	१७ आश्विन 17 Ashvin	10,25	11,26	28	18	14
October	अक्टूबर	१७ कार्तिक 17 Kartik	9,23	11,26	27,28	2	14
November	नवम्बर	१६ मार्गशीर्ष 16 Marg sheersh	8,23	10,24	26	26	12
December	दिसम्बर	१६ पौष 16 Paush	8,22	10,24	26	30	12
January 2024	जनवरी २०२४	१४ (माघ) 14 Maagh	7,21	9,23	25	29	11
February	फरवरी	१३ फाल्गुन 13 Falgun	6,20	7,21	23,24	28	9
March	मार्च	१४ चैत्र 14 Chaitra	7,20	8,22	24,25	28	10

Acharya Pt. Ravindra Narayan Pandey Ph. (613) 228-1305 Cell. 613-216-7575

ॐ सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः । सर्वे भद्राणि पश्यन्तु माऽऽ कश्चिद् दुःख भाग्भवेत् ॥

Om Sarve bhavantu sukhinah, Sarve santu niramayah. Sarve bhadrani pashyantu Ma kaschid dukh-bhagbhavet.